राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड संगठन की मासिक पत्रिका

स्काउट गाइड ज्योति

वर्ष-25 | अंक-06 | दिसम्बर, 2024 | कुल पृष्ठ-32 | मूल्य-₹ 15

भारत स्काउट व गाइड के 75वें स्थापना दिवस पर फ्लैग स्टीकर का विमोचन करते हुए
लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला

चित्रमय झलकियाँ

राजस्थान के राज्यपाल एवं स्काउट गाइड प्रदेश संगठन के मुख्य संरक्षक श्रीयुत हरिभाऊ बागडे भारत स्काउट व गाइड के 75वें स्थापना दिवस पर जारी फ्लैग स्टीकर का विमोचन करते हुए, साथ में हैं राज्य मुख्य आयुक्त श्री निरंजन आर्य एवं राज्य आयुक्त श्री महेन्द्र कुमार पारख

बांसवाड़ा में आयोजित जनजातीय गौरव दिवस नवादि युगधारा प्रणेता समागम कार्यक्रम का दीप प्रज्वलन के साथ शुभारंभ करते माननीय मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा। कार्यक्रम में बांसवाड़ा सी.ओ. दीपेश शर्मा के साथ स्काउट गाइड द्वारा सेवाएं प्रदान की गई।

स्काउट गाइड ज्योति
वर्ष : 25 अंक : 06
दिसम्बर, 2024

सलाहकार मण्डल

निरंजन आर्य
आई.ए.एस. (से.नि.)
स्टेट चीफ कमिश्नर

आशीष मोदी, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (स्काउट)

निर्मल पंवार
स्टेट कमिश्नर (रोवर)

डॉ. भंवर लाल, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (कब)

महेन्द्र कुमार पारख, आई.ए.एस.(से.नि.)
स्टेट कमिश्नर (एडल्ट रिसोर्स)

रूक्मणि आर.सिहाग, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (गाइड)

शुचि त्यागी, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (रेंजर)

टीना डाबी, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (बुलबुल)

मुग्धा सिन्हा, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (एडल्ट रिसोर्स)

स्टेट कमिश्नर (हैडक्वार्टर्स-स्काउट)
नवीन महाजन, आई.ए.एस.
नवीन जैन, आई.ए.एस.
टीकम चंद बोहरा, आई.ए.एस.
डॉ. एस.आर. जैन
डॉ. अखिल शुक्ला

स्टेट कमिश्नर (अहिंसा, शांति-समन्वय)
मनीष कुमार शर्मा

राज्य कोषाध्यक्ष
ललित वर्मा

सम्पादक

डॉ. पी.सी.जैन
राज्य सचिव

सहायक सम्पादक

नीरज जैन

इस अंक में

विषय	पृष्ठ संख्या
दिशाबोध	4
संपादकीय	4
राज्यपाल ने किया झण्डा स्टीकर का विमोचन	5
लोकसभा अध्यक्ष द्वारा स्टीकर विमोचन	6
जनजाति गौरव दिवस में स्काउट सेवा	7
वॉकथन रन फॉर बीएसजी	8
सुनहरी यादें : स्काउटिंग : आजादी से पूर्व	9
काव्य रचना : वीरवती झलकारी- झांसी में ललकारी	9
शिक्षक के लिए धैर्य	11
गतिविधि दर्पण	12
राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस	23
हमारे महापुरुष : ''सवा लाख से एक लड़ाऊँ''	25
हमारा स्वास्थ्य : आयुर्वेद के अनुसार भोजन करने के 5 नियम	26
पर्यटन स्थल : मंडोर का किला	28
दक्षता पदक	29
गतिविधि पञ्चांग	30

लेखकों से निवेदन

स्काउट गाइड ज्योति का प्रकाशन मात्र प्रकाशन भर नहीं है बल्कि यह पत्रिका हमारे संगठन का दर्पण है, जो आयोजित हो चुकी गतिविधियों को प्रस्तुत करने, संगठन के कार्यों और इसके प्रशिक्षण तथा अन्य समाजोपयोगी क्रियाकलापों के विचारों को प्रकट करने का सशक्त माध्यम है।

समस्त पाठकों, सृजनात्मक एवं रचनाधर्मी प्रतिभाओं से स्वलिखित, मौलिक व पूर्व में अप्रकाशित स्काउटिंग गाइडिंग से संबंधित लेख, यात्रा वृत्तान्त, कैम्प क्राफ्ट संबंधी लेख, प्रशिक्षण विधि, पाठक प्रतिक्रिया आदि प्रकाशनार्थ आमंत्रित हैं। आपके अनुभव प्रत्येक स्काउट गाइड के लिए अमूल्य हैं। आप द्वारा प्रेषित सामग्री आपके नाम व फोटो के साथ प्रकाशित की जावेगी। लेख स्पष्ट टंकित हो तथा उस पर यह अवश्य लिखा हो कि 'यह लेख मौलिक एवं अप्रकाशित है'।

प्रकाशनार्थ सामग्री हमारी ईमेल आई.डी. **scoutguidejyoti@gmail.com** पर भिजवाई जा सकती हैं।

स्काउट गाइड ज्योति वार्षिक सदस्यता शुल्क	आजीवन सदस्यता शुल्क
व्यक्तिगत शुल्क :100/- संस्थागत शुल्क:150/-	1200/-

शुल्क राशि राज्य मुख्यालय जयपुर पर एम.ओ. अथवा 'राजस्थान स्टेट भारत स्काउट एण्ड गाइड, जयपुर' के नाम डिमान्ड ड्राफ्ट द्वारा जमा कराई जा सकती है।

नोट : स्काउट गाइड ज्योति में छपे/व्यक्त विचार प्रस्तोता के अपने हैं। यह जरूरी नहीं है कि संगठन इनसे सहमत ही हो।

दिशाबोध

स्काउट गाइड को कुशल मार्गदर्शन

स्काउट–गाइड की भूमिका एक पथ–प्रदर्शक की होती है, पर इस योग्यता को हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ती है। बालक बालिका स्काउट संगठन से जुड़कर चौमुखी विकास करते हुए इस देश के अनुशासित एवं सेवा के पर्याय वाले नागरिक बनकर इस देश की व समाज की सेवा में अग्रणी भूमिका निभाते हैं। अनेक पायदान चढ़ते हुए योग्यता व क्षमता हासिल करते हैं। हमारे संगठन में इन योग्यताओं व क्षमताओं की प्राप्ति के लिए लगातार द्वितीय सोपान, तृतीय सोपान व राज्य पुरस्कार प्रशिक्षण शिविरों का सभी जिला स्तरों पर श्रृंखलाबद्ध आयोजन किया गया है ताकि सभी बालक बालिकाएं संगठन के पाठ्यक्रमानुसार निपुणता प्राप्त कर सकें। इन शिविरों में इस बात का विशेष ध्यान रखा गया है कि संख्यात्मक वृद्धि के साथ–साथ बालक–बालिकाओं की गुणात्मकता बढ़ाने पर विशेष जोर दिया जावे

प्रदेश संगठन के मुख्य संरक्षक एवं माननीय राज्यपाल श्रीयुत हरिभाऊ बागडे जी ने भारत स्काउट व गाइड के स्थापना दिवस पर फ्लैग स्टीकर का विमोचन करते हुए स्काउट गाइड संगठन की 75 वर्ष की यात्रा को महत्वपूर्ण बताते हुए सेवा और संकल्प के उद्देश्य से स्थापित इस संगठन से युवाओं को निरंतर प्रेरणा लेते हुए 'विकसित भारत' में योगदान का आह्वान किया। आपका यह आह्वान इस संगठन द्वारा इमानदारी से किए जा रहे अपने उद्देश्यों की पूर्ति को परिभाषित करता है। हमारा दायित्व है है इस पहचान को कायम रखना और इसके लिए मुझे सभी कार्यकर्ताओं पर पूरा विश्वास है।

हमें अपनी गुणात्मकता पर विशेष ध्यान देना है। प्रदेश का प्रशिक्षण दल पूरी तरह से योग्य, कुशल और दक्ष है, साथ ही स्काउट गाइड की बात करें तो उनमें उत्साह और लगन की कोई कमी नहीं है। मेरा सभी कार्यकर्त्ताओं से अनुरोध है कि वे इन नन्हें स्काउट्स गाइड्स को प्रेरित करते हुए उन्हें कुशल मार्गदर्शन प्रदान कर उस ओर उन्मुख करें ताकि उनमें वो जज़्बा पैदा हो जिसका परिणाम उन्हें अनुशासित और सेवा के पर्याय वाले नागरिक की पहचान के रूप में मिल सके।

निरंजन आर्य
स्टेट चीफ कमिश्नर

संपादकीय

राजस्थान प्रदेश स्काउट–गाइड संगठन अपनी अनूठी कार्यशैली के लिए राष्ट्रीय स्तर पर पहचाना जाता है। नवम्बर माह में राज्य के अनेक जिलों में जिला रैलियों के जम्बूरी की तर्ज पर सफल एवं भव्य आयोजन ने संगठन की गौरव गाथा में एक नया अध्याय जोड़ा है। इन जिला रैलियों की सफलता संगठन की एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। हजारों स्काउट–गाइड ने भाग लेकर भरपूर लाभ उठाया। इससे भी अधिक महत्वपूर्ण बात यह हुई कि इन जिला रैलियों ने समाज के प्रत्येक वर्ग में एवं राज्य के प्रत्येक हिस्से में स्काउटिंग गाइडिंग के प्रति एक नया उल्लास व उत्साह जागृत करने में सफलता अर्जित की।

प्रत्येक स्थान पर इन पाँच दिवसीय रैलियों के दौरान प्रतिदिन होने वाली सामान्य एवं प्रतिस्पर्द्धात्मक गतिविधियों का बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने अत्यन्त रूचिपूर्वक अवलोकन किया। राज्य के मंत्री मण्डल के प्रमुख सदस्यों, जन प्रतिनिधियों जिनमें सांसद, विधायक, जिला प्रमुख, महापौर, नगर पालिकाध्यक्ष आदि सम्मिलित हैं एवं अधिकारी वर्ग ने इन रैलियों में उपस्थित होकर स्काउट्स–गाइड्स का उत्साहवर्द्धन किया। इन रैलियों के सफल आयोजन में जन सहयोग एवं सहभागिता का अभूतपूर्व योगदान रहा। अस्तु, समस्त जिला रैलियों के आयोजनकर्त्ता, संचालक, स्थानीय पदाधिकारी एवं कार्यकर्त्ता धन्यवाद एवं बधाई के पात्र हैं।

7 नवम्बर को प्रदेश की प्रत्येक इकाई द्वारा भारत स्काउट व गाइड का 75वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। संगठन के इस महत्वपूर्ण दिवस पर प्रदेश के अनेक मंत्रियों, जन प्रतिनिधियों व प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा भारत स्काउट व गाइड द्वारा जारी फ्लैग स्टीकर का विमोचन किया गया। इस उपलब्धि के लिये संगठन के सभी कार्यकर्त्ता एवं हितैषी बधाई के पात्र हैं।

बहरहाल, हमारा विश्वास कर्म में है। पिछले तीन वर्षों में हमने कई नये आयाम संगठन की गतिविधियों में जोड़े हैं। हमारा बधाई दर बधाई का यह क्रम बदस्तूर जारी रहेगा।

डॉ. पी.सी. जैन
राज्य सचिव

भारत स्काउट गाइड का 75 वां स्थापना दिवस

राज्यपाल ने किया झण्डा स्टीकर का विमोचन

राजस्थान के राज्यपाल एवं प्रदेश स्काउट गाइड संगठन के मुख्य संरक्षक श्री हरिभाऊ बागडे ने गुरुवार 7 नवम्बर को राजभवन में भारत स्काउट व गाइड के 75 वें स्थापना दिवस की स्मृति पर निर्मित स्टीकर का लोकार्पण किया।

उन्होंने इस दौरान स्काउट गाइड संगठन की 75 वर्ष की यात्रा को महत्वपूर्ण बताते हुए सेवा और संकल्प के उद्देश्य से स्थापित इस संगठन से युवाओं को निरंतर प्रेरणा लेते 'विकसित भारत' में योगदान का आह्वान किया।

इससे पहले राज्यपाल श्री बागडे को स्काउट गाइड के राज्य मुख्य आयुक्त श्री निरंजन आर्य के नेतृत्व में स्काउट गाइड शिष्टमंडल ने मुलाकात कर उनका अभिनंदन किया। श्री आर्य ने राज्यपाल को पुष्प गुच्छ भेंट कर भारत स्काउट गाइड के 75वें स्थापना दिवस की शुभकामना देते हुए प्रदेश में संगठन द्वारा किए जा रहे कार्यों से अवगत कराया। स्टीकर लोकार्पण के पश्चात प्रथम स्टीकर राज्यपाल को भेंट किया गया।

इस अवसर पर राज्य आयुक्त श्री महेन्द्र कुमार पारख, श्री टीकम चन्द बोहरा, डॉ. अखिल शुक्ला, राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन, राज्य प्रशिक्षण आयुक्त (स्काउट) श्री बन्नालाल, राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट) श्री पूरण सिंह शेखावत, कार्यवाहक राज्य संगठन आयुक्त (गाइड) सुश्री सुयश लोढ़ा व अन्य कार्यकर्ता तथा स्काउट गाइड रोवर रेंजर उपस्थित थे।

उल्लेखनीय है कि स्थापना दिवस के अवसर पर 7 नवम्बर को पूरे प्रदेश में ग्रुप, स्थानीय संघ, जिला मुख्यालय एवं राज्य मुख्यालय स्तर पर प्रदेश के मंत्रियों, विशिष्ट व्यक्तियों, जिला कलक्टर्स एवं अधिकारियों द्वारा झण्डा स्टीकर का विमोचन करवाकर अंशदान राशि संग्रहित कर राष्ट्र व राज्य के लिए आपदाओं एवं अन्य विशेष प्रायोजनों के लिए राशि का अंशदान राष्ट्र मुख्यालय तक भिजवाया जायेगा।

राज्य मुख्यायुक्त श्री निरंजन आर्य के नेतृत्व में राजभवन में उपस्थित संगठन पदाधिकारी एवं अधिकारी व स्काउट गाइड

लोकसभा अध्यक्ष द्वारा स्टीकर विमोचन

स्काउटिंग बालक बालिकाओं के सर्वांगीण विकास का पर्याय– ओम बिरला

स्थापना दिवस पर फ्लैग स्टीकर के विमोचन से पूर्व लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला का पुष्पगुच्छ प्रदान कर स्वागत करते कोटा जिले के पदाधिकारी व अन्य

भारत स्काउट व गाइड की देश में स्थापना के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य मे 7 नवम्बर को आयोजित गोल्डन जुबली पर संगठन को आर्थिक सुदृढता प्रदान करने के उद्देश्य से जारी फ्लैग स्टीकर विमोचन के अवसर पर अपने सक्षिप्त उद्‌बोधन मे माननीय लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने कोटा जिले के स्काउट गाइड प्रतिनिधि मंडल से चर्चा के दौरान कहा कि प्रदेश ही नही अपितु संपूर्ण देश मे भारत स्काउट व गाइड संगठन बालक–बालिकाओ के सर्वागीण विकास के लिये कार्यरत है। उन्होंने कहा कि किसी भी संगठन के लिये संख्याबल के साथ–साथ आर्थिक रूप से सुदृढ़ होना भी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने 75 वर्ष पूर्ण होने की सभी स्काउट गाइड को शुभकामना प्रेषित करते हुए कहा की स्टीकर बिक्री अभियान से निश्चित रूप से स्काउट गाइड संगठन आर्थिक रूप से सुदृढ बनेगा।

इस अवसर पर सहायक राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट) दिलीप कुमार माथुर ने माननीय लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला को बताया की संगठन की स्थापना के 75 वर्श पूर्ण होने पर गोल्डन जुबली राष्ट्रीय स्काउट गाइड जंबूरी माह जनवरी–फरवरी 2025 मे तमिलनाडू मे आयोजन की जानकारी देते हुए कहा कि इसमें प्रदेश से लगभग 1500 स्काउट गाइड भाग लेकर राजस्थानी कला संस्कृति एवं परम्पराओ का प्रदर्शन करेंगे। जिस पर माननीय लोकसभा अध्यक्ष ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए जंबूरी के सफल आयोजन की अग्रिम बधाई व शुभकामना दी।

इससे पूर्व सी.ओ. स्काउट बृजसुन्दर मीणा ने स्थापना दिवस तथा जारी स्टीकर की जानकारी दी तथा सहायक राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट) श्री दिलीप कुमार माथुर ने माननीय लोकसभा अध्यक्ष को स्कार्फ पहनाकर स्टीकर भेट कर कोटा जिले मे स्टीकर बिक्री अभियान की शुरूआत की।

इस अवसर पर जिला प्रधान प्रकाश जायसवाल, उपप्रधान श्री यज्ञदत्त हाडा, श्री मुकेश दाधिच, जिला सचिव रामविलास रखवाला, राकेश कसेरा सहित रोवर, रेंजर, स्काउट, गाइड उपस्थिति रहें।

जनजाति गौरव दिवस में स्काउट सेवा

भारत सरकार द्वारा आयोजित जनजातीय गौरव दिवस नवादि युगधारा प्रणेता समागम दिनांक 15 नवंबर 2024 के राज्य स्तरीय कार्यक्रम बांसवाड़ा में माननीय मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कार्यक्रम में जिला प्रशासन के निर्देशन में सी. ओ. स्काउट बांसवाड़ा दीपेश शर्मा द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों और पुरस्कार वितरण में रोवर्स रेंजर्स के साथ मंच पर सेवा कार्य कर स्काउट परंपरा का निर्वहन किया गया।

इस अवसर पर रेंजर वैशाली कलाल, युक्ति व्यास, हिताक्षी पंचाल, रोवर अक्षय पटेल द्वारा सेवा कार्य किया गया।

सांसद श्री लुम्बाराम चौधरी द्वारा 11 लाख की घोषणा

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सिरोही द्वारा आयोजित पांच दिवसीय जिला स्तरीय स्काउट गाइड प्रतियोगिता रैली का 19 नवम्बर को खेल मैदान राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय अजारी में भव्य शुभारम्भ जालौर सिरोही के सांसद श्री लुम्बाराम चौधरी के मुख्य आतिथ्य, जिला प्रमुख सिरोही अर्जुन राम पुरोहित की अध्यक्षता एवं पूर्व जिला प्रमुख पायल परस रामपुरिया, जिला परिषद सदस्य किरण राजपुरोहित के विशिष्ट आतिथ्य में हुआ।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि लुंबाराम चौधरी ने कहा कि इस जिला स्तरीय स्काउट और गाइड प्रतियोगिता रैली की व्यवस्थाएं बहुत ही अच्छी की गई है। सभी स्काउट गाइड कार्यकर्ताओं को बहुत–बहुत बधाई देते हुए श्री चौधरी ने स्काउट मुख्यालय पर भवन निर्माण के लिए 11.00 लाख रुपए की घोषणा की।

सी.ओ. दीपेश हुए सम्मानित

बांसवाड़ा जिले में पुलिस विभाग के साथ कार्यक्रमों में सहयोगी बने रहने के लिए पुलिस अधीक्षक श्री हर्षवर्धन अग्रवाला द्वारा बांसवाड़ा सी.ओ. स्काउट दीपेश शर्मा को सम्मानित किया गया।

श्री हर्षवर्धन अग्रवाला द्वारा सी.ओ. स्काउट की प्रशंसा में कहा गया कि इनके द्वारा विभिन्न सामाजिक उत्सव एवं आपदा स्थिति के दौरान जिला पुलिस के साथ समन्वय रखते हुए पुलिस की सहायता की गई, जिसकी सराहना करता हूँ। इनकी कार्य कुशलता, सतर्कता एवं कर्तव्य परायणता प्रशंसनीय है। मैं इनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देता हूँ और आशा करता हूँ कि ये अपना योगदान देना जारी रखेंगे।

वॉकथन रन फॉर बीएसजी

स्काउट गाइड स्थापना की 75वी वर्षगांठ मनाकर लौटा ब्यावर का दल दल ने किया संसद भवन का अवलोकन हरियाणा सरकार के खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम व स्काउट गाइड संस्था से जुड़े अधिकारियों ने कहा कि स्काउट गाइड संस्था अन्तर्राष्ट्रीय संगठन है। संस्था के सफलता पूर्वक 75 वर्ष पूरे होने पर देशभर के सदस्यों को बधाई व शुभकामनाएं दी। आने वाले समय के साथ इसके पाठयक्रम में उचित परिवर्तन किया जाएगा। साथ ही उन्होंने ब्यावर से आए दल की सराहना की और उनके साथ फोटो खिंचवाई। इस अवसर पर पूरे देश में कार्यक्रम आयोजित किए गए।

इसी क्रम में राष्ट्रीय मुख्यालय द्वारा नई दिल्ली में वॉकथन रन फॉर बीएसजी का आयोजन किया गया, जिसमें ब्यावर जिले के 24 सदस्यों में भाग लिया। सभी 24 प्रतिभागियों को राष्ट्रीय निदेशक दर्शना पावस्कर ने प्रमाण पत्र और मेडल प्रदान कर सम्मानित किया।

मोहन सिंह चौहान ने बताया कि सहायक स्टेट कमिश्नर विमल चौहान के नेतृत्व में ब्यावर जिले के दल ने पुराने और नवीन संसद भवन का अवलोकन किया तथा राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में ब्यावर जिले के दल ने राजस्थान की संस्कृति से ओत प्रोत प्रस्तुति दी।

इस दल में सहायक स्टेट कमिश्नर राजस्थान विमल चौहान, मसूदा सचिव मोहन सिंह चौहान, जवाजा सचिव सुरेश चन्द फुलवारी, जैतारण से महेन्द्र कुमार, ब्यावर मुरली मनोहर जाटव, गजानंद सेन, सरदार सिंह चौहान, रामकिशोर सालोदिया, पूनम चन्द वर्मा, अक्षय कुमार, बनवारी लाल बैरवा, रेखा जनागल, रेनू सैन, राजकुमारी कुमावत, राधा चौहान, विजयनगर से पूजा शर्मा, सुनीता कुमारी, ट्विंकल भाटी, विजय श्री, दीपिका सोनगरा, ममता सोगरा, आरु नामा, मंजू छिपा, आदि सम्मिलित हुए।

सहायक स्टेट कमिश्नर विमल चौहान ने कहा कि ब्यावर में सदस्यता अभियान वृहद स्तर पर जारी है। जल्द ही ब्यावर के निजी और राजकीय महाविद्यालय में रोवर रेंजर गतिविधि को नवीन सिरे से प्रारंभ किया जाएगा।

दल की वापसी पर आयोजित सम्मान समारोह के अवसर पर सभी वॉकथन में भाग लेने वालों को प्रमाण पत्र और मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया। मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी जवाजा मधु गुप्ता एवं अतिरिक्त ब्लॉक शिक्षा अधिकारी जवाजा कैलाश चन्द ने सभी सम्मानित होने वाले स्काउटर गाइडर को बधाई व शुभकामनाएं दी।

सुनहरी यादें

स्काउटिंग : आजादी से पूर्व

प्रदेश के एक स्काउट श्री कृष्ण चन्द्र पुरोहित ने राज्य मुख्य आयुक्त श्री निरंजन आर्य को 7 नवम्बर को भारत स्काउट व गाइड के 75वें स्थापना दिवस की शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए देश की आजादी से पूर्व की स्काउटिंग के फोटो को शेयर किया है जो आज की स्काउटिंग के लिए एक प्रेरणा है।

उदयपुर के महाराणा कॉलेज के वर्ष 1941 के स्काउट ट्रुप का फोटो सभी के अवलोकनार्थ प्रकाशित किया जा रहा है। फोटो में विशेष कर नीचे बेठे हुए मध्य में तत्कालीन स्काउट डॉ. भवानी शंकर पालीवाल हैं जो गोवर्धन विलास एस टी सी स्कूल में लम्बे समय तक प्राचार्य के पदभार को निभाते हुए अतिरिक्त निदेशक शिक्षा विभाग के पद से सेवानिवृत्त हुए। श्री पालीवाल ने श्रीमान बी.पी. जोशी साहब, श्रीमान शंभू दादा व श्रीमान जगन्नाथ सिंह जी मेहता, श्रीमान गंगाधर जी त्रिवेदी के साथ सेवा पथ पर अग्रसर होते हुए स्काउटिंग के सिद्धांतों व भावनाओं को जीवन के अन्तिम क्षण तक निभाया।

काव्य रचना

वीरवती झलकारी- झांसी में ललकारी

रचियेता - टीकम 'अनजाना'
स्टेट कमिश्नर (हैडक्वार्टर)

बुंदेले हरबोलों ने, कहानी हमें सुनाई थी।
रण झाँसी का लड़ा था जिसने, वो झलकारी बाई थी।।

बुंदेले हरबोलों ने, कहानी हमें सुनाई थी।
बाईस नवम्बर को भोजला में, एक नन्हीं बालिका आई थी।।
सदोवर सिंह और जमुना देवी से, वो जन्मी इलकारी बाई थी।
रण झाँसी का लड़ा था जिसने, वो झलकारी बाई थी।।

वो सन् अठारह सौ तीस था, जब झलकारी ने जन्म लिया।
बचपन में माता गुजर गयी, तो पिता ने उसका पालन किया।।
घुड़सवारी की शिक्षा उसने, पिता से बखूबी पायी थी।
रण झाँसी का लड़ा था जिसने, वो झलकारी बाई थी।।

पिता से शिक्षा पाकर उसने, हथियार चलाना सीखा था।
झांसी की धरती पर साहसी, कोई ना उसके सरीखा था।।
कलम की जगह कृपाण, उसने उठायी थी।
रण झाँसी का लड़ा था जिसने, वो झलकारी बाई थी।।

अपने पिता के घर पर, वो काम जतन से करती थी।
मवेशी चराती, लकड़ी लाती, नहीं किसी से डरती थी।।
मुठभेड़ में तेंदुआ मार गिराया, उसने शक्ति ऐसी पायी थी।
रण झाँसी का लड़ा था जिसने, वो झलकारी बाई थी।।

गिरोह बना के आया गांव में, एक दिन डकैत लुटेरा था।
लूटने की खातिर उसने, सेठ को जाकर घेरा था।।
झलकारी ने किया मुकाबला, डकैत ने दौड़कर जान बचाई थी।
रण झाँसी का लड़ा था जिसने, वो झलकारी बाई थी।।

जब पानी लेने गयी झलकारी, तो कुएं में गिरा बच्चा था।
झलकारी कुएं में कूद पड़ी, उसका साहस बड़ा सच्चा था।।
कुएं से बच्चे को बाहर निकाल, झलकारी ने जान बचायी थी।
रण झाँसी का लड़ा था जिसने, वो झलकारी बाई थी।।

झलकारी की वीरता के, किस्से कई आम हुए।
काम साहस–बहादुरी के, झलकारी के नाम हुए।।
निडरता की चर्चा उसकी, सारी झांसी में छायी थी।
रण झाँसी का लड़ा था जिसने, वो झलकारी बाई थी।।

लक्ष्मीबाई की सेना में था, पूरन कोरी वीर सेनानी।
झलकारी से ब्याह रचाया, जब वह हुई सयानी।।
पिता का घर छोड़ झलकारी, पति के घर पर आयी थी।
रण झाँसी का लड़ा था जिसने, वो झलकारी बाई थी।।

गौरी पूजा के दिन झलकारी, गयी रानी के पास थी।
चौंक पड़ी थी लक्ष्मी बाई, हमशक्ल वो खास थी।।
बहादुरी के किस्से सुन, वो लक्ष्मीबाई को भायी थी।
रण झाँसी का लड़ा था जिसने, वो झलकारी बाई थी।।

रानी ने झलकारी को, अपनी सेना में शुमार किया।
वीर बहादुर झलकारी ने, चुनौती को स्वीकार किया।।
दुर्गा दल की बनी सेनापति, मन में खुशी समायी थी।
रण झाँसी का लड़ा था जिसने, वो झलकारी बाई थी।।

रण–कौशल में प्रवीण हुई, उसने तोप–तलवार चलायी।
ले बंदूक निशाना साधा, उसने हिम्मत खूब दिखायी।।
अपनी क्षमता सहास से, वो सेनापति बन पायी थी।
रण झाँसी का लड़ा था जिसने, वो झलकारी बाई थी।।

राव गंगाधर बीमार हुए तो, भतीजा दामोदर गोद लिया।
गोदपुत्र संभलाया रानी को, राजा ने स्वर्ग–प्रयाण किया।।
नाबालिग था दामोदर राजा, चुनौती रानी पर आयी थी।
रण झाँसी का लड़ा था जिसने, वो झलकारी बाई थी।।

राज हड़पना चाहते फिरंगी, ये कदम ना उनको भाया था।
राज छोड़ने का तब संदेशा, डलहौजी ने भिजवाया था।।
इन्कार किया प्रतिकार किया, रानी के हक की लड़ाई थी।
रण झाँसी का लड़ा था जिसने, वो झलकारी बाई थी।।

दामोदर पर अंग्रेजों ने एक मुकदमा, अदालत में तब ठोक दिया।
अदालत का आया फैसला, राज दामोदर का रोक दिया।।
राज हड़पने की नीति, अंग्रेजों ने अपनाई थी।
रण झाँसी का लड़ा था जिसने, वो झलकारी बाई थी।।

कामयाब हुई जब चाल फिरंगी, छूटा रानी से किला।
राज खर्च में हुई कटौती, रहने को केवल महल मिला।।
सेना बढ़ाकर रानी ने, युद्ध लड़ने की हिम्मत पाई थी।
रण झाँसी का लड़ा था जिसने, वो झलकारी बाई थी।।

ओरछा–दतिया के राजा ने, झांसी पर धावा बोल दिया।
रानी ने डटकर किया मुकाबला, तलवारों से तोल दिया।।
लक्ष्मीबाई की सेना से, दोनों ने मुँह की खाई थी।
रण झाँसी का लड़ा था जिसने, वो झलकारी बाई थी।।

मार्च अठारह सौ अठावन में, गौरों ने झांसी को घेर लिया।
तब पूरण और झलकारी ने, कई अंग्रेजों को ढेर किया।।
दुर्ग–महल पर अंग्रेजों ने, तोपें खूब चलाई थी।
रण झाँसी का लड़ा था जिसने, वो झलकारी बाई थी।।

तोपें चलाकर फिरंगी सेना, जब आगे बढ़ रही थी।।
दुर्गादल की सेनापति, झलकारी खूब लड़ रही थी।
बहादुरी से लड़ते–लड़ते, वीर–गति पूरण ने पायी थी।
रण झाँसी का लड़ा था जिसने, वो झलकारी बाई थी।।

पूरण जब शहीद हुआ, फिरंगी आगे बढ़ने लगे।
रानी को ख़तरा हुआ, सेना के पांव उखड़ने लगे।।
रानी और राजा बचे, रणनीति ऐसी बनाई थी।
रण झाँसी का लड़ा था जिसने, वो झलकारी बाई थी।।

ले दामोदर रानी किले से जाये, रानी का भेष झलकारी पाये।
सलाहकारों ने सुर मिलाये, रानी को गुप्त द्वार तक लाये।।
राजा रानी को बाहर भेजकर, दोनों की जान बचायी थी।
रण झाँसी का लड़ा था जिसने, वो झलकारी बाई थी।।

हमशक्ल झलकारी नहीं डरी जरा, उसने रानी का भेष धरा।
ले कृपाण वो टूट पड़ी, दुश्मन झलकारी के हाथ मरा।।
पति पूरण की वीर गति से, वो तनिक नहीं घबरायी थी।
रण झाँसी का लड़ा था जिसने, वो झलकारी बाई थी।।

तलवार दामिनी सी चलती थी, वो लहू अरि का पीती थी।
हर बार फिरंगी मार गिराती, कभी ना जाती रीती थी।।
मातृभूमि पर मर मिटने की, सौगंध उसने खाई थी।
रण झाँसी का लड़ा था जिसने, वो झलकारी बाई थी।।

किया सामना तोपों का, तनिक भी वो रुकी नहीं।
बहादुरी से वो खूब लड़ी, अरि के आगे झुकी नहीं।।
रणभूमि में रक्त स्नान किया, हिम्मत खूब दिखायी थी।
रण झाँसी का लड़ा था जिसने, वो झलकारी बाई थी।।

ले तलवार वो घोड़े चढ़ी, साहसपूर्वक खूब लड़ी।
फिरंगी सेना भारी पड़ी, तब ह्यूगरोज के हत्थे चढ़ी।।
रानी को जिन्दा पकड़ लिया, अंग्रेजों ने खुशी मनायी थी।
रण झाँसी का लड़ा था जिसने, वो झलकारी बाई थी।।

फिरंगियों को जब पता लगा, रणभूमि में जो ललकारी थी।
रानी का जिसने भेषधरा, वो वीरांगना झलकारी थी।।
देख वीरता झलकारी की, आँखें गौरों की चकराई थी।
रण झाँसी का लड़ा था जिसने, वो झलकारी बाई थी।।

मातृभूमि पर झलकारी ने, प्राणों की बाजी लगायी थी।
मातृभूमि की रज उसने, अपने ललाट लगायी थी। ।
चार अप्रेल सत्तावन को, उसने शहादत पायी थी।
रण झाँसी का लड़ा था जिसने, वो झलकारी बाई थी।।

मातृभूमि की रक्षा–खातिर, उसने अपनी जा लड़ायी थी।
झांसी के जो बाहर गयी, वो रानी लक्ष्मी बाई थी।।
जिसने रानी बनके युद्ध लड़ा, वो कोरी झलकारी बाई थी।
रण झाँसी का लड़ा था जिसने, वो झलकारी बाई थी।।

झांसी की जो रानी थी, वो बेशक लक्ष्मी बाई थी।
युद्ध मगर वो लड़ने वाली, कोरी झलकारी बाई थी।।
मगर महिमा पायी जिसने, वो रानी लक्ष्मी बाई थी।
रण झाँसी का लड़ा था जिसने, वो झलकारी बाई थी।।

गौरव जिसका भुला दिया, वो झलकारी बाई थी।
राज की खातिर लड़ने वाली, रानी लक्ष्मी बाई थी।।
अपने फर्ज पर मर मिटी, वो झलकारी बाई थी।
रण झाँसी का लड़ा था जिसने, वो झलकारी बाई थी।।

युद्ध का फैसला करने वाली, वो रानी लक्ष्मी बाई थी।
स्वामिभक्ति की अद्भूत मिसाल, वो झलकारी बाई थी।।
लक्ष्मीबाई बनकर लड़ी, वो झलकारी बाई थी।
रण झाँसी का लड़ा था जिसने, वो झलकारी बाई थी।।

इक्कीसवीं सदी के पहले साल, जिस दिन बाईस जुलाई थी।
डेढ़ सदी बाद सरकार को, याद झलकारी आयी थी।।
वो वीरवती झलकारी, डाक टिकिट पर छायी थी।
रण झाँसी का लड़ा था जिसने, वो झलकारी बाई थी।।

वो वीरवती वीरांगना, वो झलकारी बाई थी।
हिम्मत हौसला और वीरता, उसकी सदा सवाई थी।
शब्द सुमन अर्पण हेतु, 'टीकम' ने कलम चलाई थी।

शिक्षक के लिए धैर्य

सकारात्मक चिन्तन

तरूण कुमार सोलंकी
सेनि.रीडर,
रा.उ.अध्ययन शिक्षा संस्थान,
बीकानेर

एक अच्छे शिक्षक के लिए मन शान्ति एवं धैर्यशीलता का गुण आवश्यक है। बिना मन की शांति के अच्छे व भली प्रकार अपने विद्यार्थियों का अध्यापन नहीं करा सकता और धैर्यशीलता नहीं है तो अपने विद्यार्थियों के साथ संतोषजनक संवाद व विचार विमर्श भी नहीं कर सकता है।

धैर्य मावन व्यक्तित्व में ईश्वर द्वारा प्रदत्त ऐसा अनुपम गुण है जो उसे देव तुल्य बना देता है। हमारे शास्त्रों में भी नायक का प्रमुख गुण धैर्य बताया गया है। यदि व्यक्ति में धीरज हो तो वह चाहे कैसी भी विपदा आ जाये, विचलित व मानसिक सन्तुलन नहीं खोता, विपरीत मन को शान्त कर विपदा पर पुनः विचार कर सही हल खोजने का प्रयास करता है। धैर्य की बदौलत ही वह हर परिस्थिति को बिना किसी उद्विग्नता के न केवल स्वीकार कर लेता है बल्कि मुकाबला करने का भी तत्पर रहता है।

शान्त मन धीर–गंभीर शिक्षक की यह विशेषता होती है कि निरर्थक को सार्थक में बगैर झुंझलाहट के बदलाव करने का हुनर जानता है। सन्त कबीर की वाणी 'धीरे–धीरे रे मना, धीरे सब कुछ होय, माली सींचे सौ घड़ा, ऋतु आए फल होए।'

यानी जल्दबाजी और उतावलेपन में कुछ नहीं रखा है। त्वरित फल प्राप्ति की कामना अविकसित व्यक्तित्व की निशानी है। जल्दी में काम करना और काम के परिणाम पर विचार किये बिना जल्दबाजी करना दोनों ही गलत है। बीज बोने के बाद यदि माली सौ घडे पानी से उसे सींच ले और तुरन्त प्रतिफल की कामना करें तो गलत होगा। फल तो पौधा बड़ा होने और ऋतु के आगमन पर ही देगा। अतः मानस के समग्र विकास के लिये धैर्य परमावश्यक है। इसीलिये तो भगवान श्री कृष्ण ने कहा है कि 'कर्म पर ही तेरा अधिकार है उसके फलों पर नहीं।' 'कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन' जैसा संदेश देकर भगवान श्री कृष्ण धीरज धारण करने की प्रेरणा ही दे रहे हैं। वो नहीं चाहते कि मेरा भक्त या साधक कर्म के दौरान अधीर होकर शीघ्र फल प्राप्ति के चक्कर में भ्रमित होकर भटकाव का शिकार हो जाए। ऐसा कोई भी शिक्षक अपने विद्यार्थियों के लिये नहीं चाहेगा।

एक सकारात्मक सोच का शिक्षक शांत मन से विद्यार्थियों के सामने प्रश्न रखता है तथा धैर्य के साथ विद्यार्थियों के उत्तर सुनता है। सभी छात्रों को कक्षा में बोलने व सुनने का अवसर प्रदान करता है। अन्त में शिक्षक अपनी बात बड़े शांत मन से व धैर्य के साथ रखता है। विद्यार्थियों द्वारा उठायी गयी समस्याओं का उचित सम्मान रखता है साथ में विद्यार्थियों से चर्चा भी करता रहता है।

यदि मन शांत है तो अपने जीवन को सुखमय व्यतीत करता है। पूर्ण किये गये कार्य में खुशी व सुख मिलता है और यह देखा गया की कर्म भी उच्चगुणवत्ता से पूर्ण होता है। यदि मन किसी अन्य कारण से अशांत है तो कार्य सफल होने पर भी खुशी महसूस नहीं होती व धैर्य भी नहीं रहता। शांत मन व धैर्य से विचार करने पर मानव में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है तथा बुद्धि भी तेजी से व सही दिशा में सोच कर कार्य को भली प्रकार पूर्ण करती है। मन की शांति के लिये कुछ छोटे कदम मददगार हो सकते हैं।

इसमें सबसे पहले है सकारात्मक सोच व धैर्य। अगर आप हर बात को सकारात्मक सोच के साथ देखते हैं व धैर्य से समझते हैं तो जीवन की आधी समस्या दूर हो जाती है और मन में असीम शांति मिलती है। विद्यार्थियों में आप के प्रति विश्वास बढ़ता है। बालकों में यह गुण विकसित किया जा सकता है कि चाहे कैसी भी खराब परिस्थिति हो या विपदा आये विचलित नहीं होना चाहिये बल्कि धैर्य के साथ समस्या को समझ कर हल करने का पूर्ण प्रयास करना चाहिये।

दूसरा है ईर्ष्या और द्वेष। विद्यार्थियों को इन दोनों से बचाने के लिये सबसे पहले शिक्षक स्वयं इन दोनों से बचें। मानव स्वभाव है कभी ईर्ष्या होने पर उस व्यक्ति में उस गुण को देखे जो आप में इर्ष्या उत्पन्न कर रही है, पर ध्यान न देकर सकारात्मक सोच के साथ उसकी अच्छी बातों को स्वीकार करें व उन पर चलने या उन्हें करने का प्रयास करें तो आप में अपने आप ईर्ष्या व द्वेषता नहीं रहेगी।

शेष पृष्ठ सख्या 24 पर

गतिविधि दर्पण

प्रदेश में विभिन्न स्तरों पर आयोजित शिविरों, गतिविधियों इत्यादि की संक्षिप्त रिपोर्ट

अजमेर संभाग

- भारत स्काउट व गाइड, मण्डल मुख्यालय, अजमेर के तत्वावधान में 07 नवम्बर 2024 को भारत स्काउट व गाइड के स्थापना दिवस के अवसर पर जिला कलक्टर श्री लोकबंधु ने स्काउट गाइड स्टीकर का विमोचन किया। इस अवसर पर सहायक राज्य संगठन आयुक्त स्काउट विनोद दत्त जोशी ने जिला कलक्टर को स्कार्फ पहनाकर, जिला सचिव सत्यनारायण वैष्णव ने पुष्प गुच्छ भेंट कर, सी.ओ. स्काउट

नरेन्द्र खोरवाल ने स्टीकर भेंट कर स्वागत किया एवं रेंजर लीडर नन्दनी डाबले ने अतिरिक्त जिला कलक्टर ज्योति ककवानी का स्कार्फ पहनाकर स्वागत किया। अतिरिक्त जिला कलक्टर अजमेर ज्योति ककवानी ने स्काउट गाइड स्टीकर विमोचन के दौरान 09 से 15 नवम्बर तक आयोजित पुष्कर मेले में स्काउट गाइड की भूमिका के बारे में विस्तार से चर्चा की।

सहायक राज्य संगठन आयुक्त स्काउट विनोद दत्त जोशी ने जिला कलक्टर को स्काउट गाइड संगठन की आगामी गतिविधियों व कार्यक्रम के बारे में बताया। साथ ही माह दिसम्बर 2024 में आयोजित महाविद्यालय विद्यार्थी रोवर–रेंजर के राज्य स्तरीय रोवर मूट रेंजर मीट की जानकारी दी। साथ ही प्रशिक्षण केन्द्र पुष्कर घाटी की आधारभूत सुविधाओं से अवगत कराया व स्थापना की 75वी वर्षगांठ के अवसर पर होने वाले कार्यक्रमों की जानकारी दी। इस अवसर पर रेंजर लीडर नन्दनी डाबले, स्काउट सहायक लोकेश कुमार शर्मा, मुन्शी खान, राज्य पुरस्कार रेंजर राशि बंसल, राधिका धूत उपस्थित रहे।

- भीलवाड़ा में भारत स्काउट व गाइड के स्थापना दिवस पर 7 नवंबर को जिला कलक्टर नमित मेहता ने स्काउट स्टीकर का विमोचन किया। सी.ओ. स्काउट अनीता तिवारी ने बताया कि इस स्टीकर विमोचन के पश्चात समस्त स्टीकर जिले के विभिन्न संस्थानों में सशुल्क दिए जाएंगे। संधारित राशि को नेशनल हैडक्वार्टर के माध्यम से देशभर में भूकंप, बाढ़ पीड़ित, व अन्य आपदाओं के समय उपयोग किया जाएगा। स्टीकर विमोचन के अवसर पर सी. ओ. स्काउट विनोद कुमार, सी.ओ.

गाइड अनीता तिवारी, स्थानीय संघ सचिव आयुष सैनी, राष्ट्रपति रोवर विनोद तेली उपस्थित रहे।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, नागौर के तत्वावधान में स्काउट गाइड स्थापना दिवस के अवसर पर जिला कलक्टर नागौर श्री अरुण कुमार पुरोहित, जिला पुलिस अधीक्षक श्री नारायण टोगस, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी श्री

राम लाल खराड़ी, अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी श्री मदन लाल शर्मा द्वारा स्काउट गाइड फ्लैग स्टीकर का विमोचन किया गया। इस अवसर पर सी.ओ. स्काउट व गाइड नागौर, सचिव स्थानीय संघ नागौर व स्काउटर, रोवर उपस्थित थे।

- टोंक जिले में भारत स्काउट व गाइड के स्थापना दिवस पर जिले में जिला पुलिस अधीक्षक विकास सागवान, अतिरिक्त

जिला कलक्टर रामरतन सोकरिया, मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद परशुराम धानका द्वारा फ्लैग स्टीकर का विमोचन किया गया। इस अवसर पर सीडीईओ सुशीला करनानी, डीईओ मीना लसारिया, सी.ओ. स्काउट गिरिराज प्रसाद गर्ग, सी.ओ. गाइड आचू मीणा ने स्काउट गाइड जिला जम्बूरेट गतिविधि, स्थापना दिवस के विभिन्न कार्यक्रमों के बारे में बताया। इस अवसर पर ओमप्रकाश, सीताराम साहू, बनवारी लाल बैरवा, चंद्रप्रकाश कुर्मी, उत्तम कुमार पंचोली, जयंती प्रकाश नुवाल, ममता जाट, नीतू चावला ने स्काउट गाइड की गतिविधियों की जानकारी दी। स्थापना दिवस पर ट्रेनिंग काउंसलर, स्काउट, गाइड, रोवर, रेंजर ने सामुदायिक सेवा, समाज सेवा के विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी दी।

भरतपुर संभाग

◈ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, भरतपुर के तत्वावधान में 24 अक्टूबर को श्री गिरधारी तिवारी की अध्यक्षता में जिला परिषद का द्वितीय वार्षिक अधिवेशन का आयोजन मण्डल मुख्यालय रेलवे स्टेशन के सामने भरतपुर पर सम्पन्न हुआ। सर्वप्रथम अध्यक्ष श्री तिवारी द्वारा माँ सरस्वती को माल्यार्पण व द्वीप प्रज्ज्वलित कर अधिवेशन का प्रारंभ किया गया। सभी अतिथियों का स्कार्फ एवं प्रतीक चिन्ह से स्वागत

किया गया। जिला सचिव राजेंद्र प्रसाद शर्मा (लीडर ट्रेनर स्काउट) द्वारा गत सत्र 2023–24 का वार्षिक प्रतिवेदन व आय व्यय विवरण का अनुमोदन किया गया। सहायक स्टेट कमिश्नर प्रदीप शर्मा एवं आलोक शर्मा ने कार्यों की प्रशंसा की तथा विकास कार्य करने की बात कही। उपाध्यक्ष नृपेश अग्रवाल ने स्काउट गाइड को समाज में पर्यावरण चेतना, जन जागरण के कार्य में हमेशा अग्रसर बताया।

स्काउटर को लीडर ट्रेनर स्काउट राजेंद्र प्रसाद शर्मा ने तथा गाइडर को सहायक राज्य संगठन आयुक्त गाइड भरतपुर नीता शर्मा ने हिमालय वुड बैज स्कार्फ पहनाकर व पार्चमेंट प्रदान कर सम्मानित किया। गाइडर सुनीता सैन अध्यापिका राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय हबीबपुर को जिला भरतपुर की एकमात्र सहायक लीडर ट्रेनर गाइड बनने पर नीता शर्मा सहायक राज्य संगठन आयुक्त द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। अध्यक्ष गिरधारी लाल तिवारी ने अपने उद्बोधन में सभी नवनियुक्त पदाधिकारी को बधाई दी। स्थानीय संघ सचिव भरतपुर भानु प्रताप अधिवेशन में पधारे हुए समस्त अतिथियों एवं स्काउटर और गाइडर का आभार व्यक्त किया। बलराज सिंह (सहायक लीडर ट्रेनर स्काउट) ने मंच संचालन किया। इस अवसर सी.ओ स्काउट देवेन्द्र कुमार मीना, सी.ओ गाइड सीमा रिजवी, एएलटी स्काउट यादराम, द्वारिका प्रसाद शर्मा, जगदीश प्रसाद एवं समस्त स्थानीय संघ सचिव व सयुंक्त सचिव एवं समस्त जिला परिषद के सदस्य उपस्थित रहे। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

◈ भरतपुर जिले में भारत स्काउट व गाइड के 75 वें स्थापना दिवस पर जिला कलक्टर डॉ अमित यादव के कर कमलों द्वारा फ्लैग स्टीकर का विमोचन किया गया। भारत स्काउट गाइड संगठन के स्थापना दिवस पर आम नागरिकों एवं जनसामान्य को स्काउट गाइड संगठन के उद्देश्य, नीति, सिद्वान्त एवं

सामाजिक उपयोगिता सम्बंधित जानकारी देकर प्रचार प्रसार की दृष्टिकोण से श्रीमती नीता शर्मा सहायक राज्य संगठन आयुक्त के नेतृत्व में श्री राजेन्द्र प्रसाद शर्मा जिला सचिव भरतपुर, श्री देवेन्द्र कुमार मीना सी.ओ. स्काउट भरतपुर निर्देशन में स्थानीय स्काउट गाइड व रोवर रेंजर द्वारा जिला कलेक्ट्रेट परिसर में स्थित सभी राजकीय कार्यालयों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्काउट गाइड स्टीकर प्रदान कर अंशदान राशि एकत्रित की गई।

सम्पूर्ण जिले में 07 से 14 नवम्बर 2024 के मध्य अभियान के रूप में भारत स्काउट गाइड संगठन का प्रचार प्रसार एवं स्काउट गाइड स्टीकर प्रदान कर आर्थिक सहयोग राशि ली गई। जिला भरतपुर व डीग में 30 नवम्बर 2024 तक स्टीकर राशि एकत्रित कर सम्पूर्ण राशि राज्य मुख्यालय जयपुर के मार्फत राष्ट्रीय मुख्यालय नई दिल्ली के आरक्षित कोष में जमा कराने हेतु भेजी जावेगी। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष हरिचरण शर्मा, स्थानीय संघ सचिव भरतपुर श्री भानु प्रताप सिंह, स्थानीय संघ सचिव कामां श्री भगत सिंह गुलशन, श्री प्रकाश चन्द सुमन, श्री मुरारी लाल शर्मा, श्री राजीव मीणा, श्री पूरन चन्द सैन, श्री गोविन्द सिंह डागुर एडवांस कोर्स (उपप्राचार्य), श्री प्रवेन्द्र सिंह राणा, गाइडर श्रीमती मिथलेश मीणा, अंजू कुमारी एवं स्काउट गाइड रोवर रेंजर आदि उपस्थित रहे।

- करौली जिले में भारत स्काउट व गाइड के फ्लैग स्टिकर का विमोचन अतिरिक्त जिला कलक्टर हेमराज परिड़वाल ने किया। श्री परिड़वाल ने कहा कि भारत स्काउट गाइड संगठन सेवा का पर्याय है एवं बालक बालिकाओं में सेवा की भावना के विकास के लिए भारत स्काउट गाइड संगठन 75 वर्षों से कार्य कर रहा है। अतिरिक्त जिला कलक्टर ने स्वयं भी स्टीकर क्रय कर अंशदान प्रदान किया। सी.ओ. स्काउट अनिल कुमार गुप्ता ने बताया कि जिला कलक्टर नीलाभ सक्सेना ने सभी स्काउट,

गाइड, स्काउटर, गाइडर एवं स्काउट गाइड पदाधिकारियो को 75 वें स्थापना दिवस पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी एवं कहा की स्काउट गाइड सेवा का पर्याय है उन्हें पीड़ित मानव एवं प्राकृतिक आपदा के समय बढ़ चढ़कर सेवाएं प्रदान करनी चाहिए। इस अवसर पर सहायक कमिश्नर ओम प्रकाश शर्मा ने अतिरिक्त जिला कलक्टर को संगठन का स्कार्फ पहना कर स्वागत किया। स्टीकर विमोचन के अवसर पर सचिव स्थानीय संघ करौली मुकेश कुमार सारस्वत, स्काउट दीनदयाल सिंह, राजेश कुमार शर्मा, राज्य पुरस्कार रोवर लव कुश मंगल, श्यामू सेन, निकिन जाटव, उमर अली, प्रणब मेहरा, सोमराज प्रजापत रेंजर कीर्ति सोनी एवं राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय करौली 31वां स्वतंत्र रोवर स्काउट ग्रुप करौली के रोवर रेंजर उपस्थित थे।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सवाई माधोपुर के तत्वावधान में भारत स्काउट व गाइड के स्थापना दिवस पर सवाईमाधोपुर जिला कलक्टर श्री शुभम चौधरी ने फ्लैग स्टीकर का विमोचन किया। इस दौरान स्काउट गाइड सचिव महेश सेजवाल, महावीर प्रसाद जैन, रामजीलाल योगी, सचिव दिनेश चन्द सिंहल, स्काउटर अभिलाषा अग्रवाल, धर्मेन्द्र जैन,

नीतू साहू आदि मौजूद थे। सी.ओ. गाइड दिव्या ने बताया कि मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी कृष्णा शर्मा ने भी अलग–अलग जगह स्टीकर का विमोचन किया।

बीकानेर संभाग

- बीकानेर जिले में 7 नवंबर 2024 को भारत स्काउट गाइड के 75 वें स्थापना दिवस पर जिला कलक्टर बीकानेर नम्रता वृष्णि एवं जिला पुलिस अधीक्षक बीकानेर कावेंद्र सागर के कर कमलों से जिला कलक्टर कार्यालय में स्काउट गाइड फ्लैग स्टीकर का विमोचन किया गया। जिला कलक्टर ने कहा कि भारत स्काउट व गाइड के सदस्य सामाजिक कार्यों में सदैव अग्रणी रहते हैं। संगठन के सक्रिय 75 वर्ष में प्रवेश होना इसके मूलभूत मजबूत आधार को दर्शाती है। इस अवसर पर सहायक राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट) रामजस लिखाला, सी.ओ. स्काउट जसवंतसिंह राजपुरोहित व अन्य अधिकारी, स्काउट

गाइड एवं रोवर रेंजर उपस्थित रहे। मुकेश कुमार पांडे स्काउट यूनिट लीडर एवं महेश कुमार स्काउट सहायक के सान्निध्य में रोवर रेंजर ने कलेक्ट्रेट परिसर की सभी शाखाओं में पहुंचकर स्काउट गाइड स्थापना दिवस की शुभकामना दी तथा स्टीकर प्रदान कर प्रति व्यक्ति से आर्थिक सहयोग राशि प्राप्त की। माध्यमिक एवं प्रारम्भिक शिक्षा निदेशालय बीकानेर में सयुंक्त निदेशक कार्मिक रमेश कुमार हर्ष, उपनिदेशक खेलकूद अरविंद व्यास, उपनिदेशक सोनिया शर्मा आदि शिक्षा अधिकारियों को भी फ्लैग स्टीकर लगाए गए। सहायक राज्य संगठन आयुक्त रामजस लिखाला ने बताया कि भारत स्काउट गाइड जिला बीकानेर के माध्यम से 7 से 14 नवंबर तक जिले के स्काउट गाइड के माध्यम से जन सामान्य को फ्लैग स्टिकर बिक्री कर सहयोग राशि प्राप्त की जाएगी, जो भारत स्काउट गाइड के राष्ट्रीय आरक्षित कोष में जमा करवाई जाकर विभिन्न सामाजिक सेवा कार्यों में उपयोग में ली जाएगी।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, झुंझुनू के तत्वावधान में राजस्थान प्रदेश के मुख्य चुनाव आयुक्त एवं स्टेट कमिश्नर नवीन महाजन के झुंझुनू आगमन पर स्काउट गाइड संगठन के पदाधिकारियों एवं सचिवों ने सी.ओ. स्काउट महेश कालावत के नेतृत्व में संगठन की परंपरा के अनुसार स्वागत किया। इस अवसर पर आई.जी. पुलिस अनिल कुमार टांक, जिला कलक्टर रामावतार मीना, पुलिस अधीक्षक शरद चौधरी का भी

संगठन की परंपरा के अनुसार स्वागत किया गया। इस दौरान मुख्य निर्वाचन आयुक्त नवीन महाजन एवं आई.जी. पुलिस अनिल कुमार टांक, जिला कलक्टर रामावतार मीणा, पुलिस अधीक्षक शरद चौधरी ने स्काउट गाइड फ्लैग का विमोचन किया। सी.ओ. स्काउट महेश कालावत ने उपस्थित अधिकारियों को फ्लैग (स्टीकर) लगाकर अभियान का शुभारम्भ किया। सी.ओ. स्काउट महेश कालावत ने बताया कि यह फ्लैग आमजन को विक्रय कर प्राप्त धनराशि से राष्ट्रीय मुख्यालय नई दिल्ली में एक आरक्षित कोष तैयार कर इस राशि का उपयोग संगठन की सेवाभावी गतिविधियों के साथ–साथ विभिन्न आपदाओं जैसे भूकंप, बाढ़, आगजनी, दुर्घटना आदि से पीड़ित व्यक्तियों की मदद के लिए किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्य निर्वाचन आयुक्त उपस्थित सभी स्काउट अधिकारियों से रूबरू हुए, झुंझुनू जिले में स्काउट गाइड संगठन की गतिविधियों की जानकारी ली तथा निर्देशित किया कि विधानसभा उपचुनाव में स्काउट गाइड के माध्यम से स्वीप गतिविधियों को बढ़ावा देते हुए मतदान प्रतिशत बढ़ाने हेतु सहयोग किया जाए एवं जिला कलक्टर के निर्देशन में समन्वित रूप से कार्य करें।

इस अवसर पर सी.ओ. गाइड सुभीता महला, सचिव स्थानीय संघ चिड़ावा महेंद्र सिंह, बुहाना के प्रवीण कुमार, सूरजगढ़ के महेश सैनी, गुढ़ा गौड़जी के मनोहर लाल रणवा, अलसीसर के रामचंद्र मीणा, खेतड़ी सचिव जितेन्द्र कुमार, मंडावा सचिव जयचंद भढ़िया, माननगर सहायक सचिव विजय कुमार गर्वा, पिलानी सहायक सचिव मनोज शर्मा, संयुक्त सचिव मनीषा सैनी, अलसीसर के मुकेश यादव स्काउट मास्टर जोगेंद्र सिंह एवं दिनेश कुमार आदि उपस्थित रहे।

- भारत स्काउट व गाइड के स्थापना दिवस पर श्रीगंगानगर में 7 नवम्बर को बीकानेर संभागीय आयुक्त श्रीमती वंदना सिंघवी एवं जिला कलक्टर डॉ. मंजू ने फ्लैग स्टीकर का विमोचन किया। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलक्टर श्रीमती रीना छींपा एवं जिला मुख्य आयुक्त गिरजेश कांत शर्मा, सहायक निदेशक अमरजीत लहर, सी.ओ. स्काउट इंद्राज सुथार, सी. ओ. गाइड मोनिका यादव, स्थानीय संघ सचिव रामकुमार स्वामी, स्काउट मास्टर अंग्रेज सिंह एवं संगठन के अन्य सदस्य मौजूद रहे। बीकानेर संभागीय आयुक्त वंदना सिंघवी ने इस अवसर पर सभी को शुभकामना प्रेषित करते हुए भारत स्काउट व गाइड के सेवा कार्यों की सराहना की।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, चूरू के तत्वावधान में 07 नवम्बर 2024 को भारत स्काउट व गाइड के स्थापना दिवस के अवसर पर जिला कलक्टर श्री अभिषेक सुराणा तथा आयुक्त नगर परिषद श्रीमती अभिलाषा सिंह ने फ्लैग स्टीकर का विमोचन किया। इस अवसर पर जिला कलक्टर ने भारत

स्काउट व गाइड स्थापना दिवस की सभी को बधाई व शुभकामनाएं देते हुए सेवा कार्यों की प्रशंसा की।

- मतदान के लिए प्रेरित करने हेतु जिला कलक्टर झुंझुनूं के निर्देशानुसार राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड एवं मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय समग्र शिक्षा झुंझुनू के संयुक्त तत्वावधान में शहर के कम मतदान प्रतिशत वाले मतदान केंद्रों पर मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी एवं जिला मुख्य आयुक्त स्काउट श्रीमती अनुसूईया सिंह के नेतृत्व में इंदिरा नगर कॉलोनी में पीले चावल वितरित कर आमजन को 13 नवंबर को होने वाले मतदान दिवस पर अधिकाधिक मत देने हेतु निमंत्रित किया गया। सी.ओ. स्काउट महेश कालावत ने बताया कि मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी ने डोर टू डोर संपर्क

कर वोट प्रतिशत बढ़ाने हेतु पीले चावल वितरित किए। युवा मतदाताओं को भी प्रोत्साहित किया कि वह अपने मताधिकार का प्रयोग करें तथा छोटे–छोटे बच्चों को भी पीले चावल देकर कहा गया कि वह अपने घर के बड़े बुजुर्गों को मत देने हेतु कहें। इस अवसर पर सहायक निदेशक अशोक जांगिड़ ने आम जनता से अपील की कि आने वाली 13 नवंबर को अधिक से अधिक मतदान किया जाए। मतदान केंद्रों पर मत प्रतिशत बढ़ाने हेतु मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी के साथ–साथ सी.ओ. स्काउट महेश कालावत ने भी अहम भूमिका निभाई। इस दौरान रामदेव सिंह गढ़वाल, दिनेश कुमार सहित विभिन्न महाविद्यालय के रोवर्स एवं स्काउट उपस्थित रहे।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, झुंझुनू के तत्वावधान में जिला स्तरीय प्रकृति अध्ययन शिविर का शुभारंभ ध्वजारोहण के साथ किया गया। शिविर संचालक एवं सी.ओ. स्काउट महेश कालावत ने बताया कि प्रकृति अध्ययन शिविर के दौरान विभिन्न प्रकार की पर्यावरण संरक्षण से संबंधित गतिविधियां यथा जल संरक्षण, ऊर्जा संरक्षण, मृदा संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता अभियान, सिंगल यूज प्लास्टिक के विरुद्ध अभियान आदि का आयोजन किया गया। प्रथम दिन शिविर में निबंध, भाषण एवं पोस्टर प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया तथा शिविर में भाग ले रहे इको क्लब सदस्यों एवं स्काउट

गाइड, रोवर रेंजर्स ने पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम में बढ़–चढ़कर अपनी सहभागिता की। इस अवसर पर सी.ओ. स्काउट महेश कालावत ने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण समय की महत्ती आवश्यकता है, अतः इनका सदुपयोग करते हुए भविष्य की पीढ़ी के लिए इन्हें सुरक्षित रखा जाए। इस अवसर पर सी.ओ. गाइड सुभीता महला, पूर्व सहायक राज्य संगठन आयुक्त मानमहेंद्र सिंह भाटी, वरिष्ठ स्काउटर रामदेव सिंह गढ़वाल, युवा स्काउट प्रभारी विजय गर्वा, दिनेश कुमार, मोहम्मद जाबिर, अमरचंद, हर्ष सहित अनेक विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के रोवर्स रेंजर्स, स्काउट गाइड्स उपस्थित रहे।

जयपुर संभाग

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, जयपुर के तत्वावधान में 7 नवम्बर को भारत स्काउट व गाइड के स्थापना दिवस पर जिला कलक्टर जयपुर डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी द्वारा कलैक्ट्रेट कार्यालय में फ्लैग स्टीकर का विमोचन किया गया।

तत्पश्चात अतिरिक्त जिला कलक्टर श्रीमती सुमन पंवार द्वारा भी फ्लैग स्टीकर का विमोचन कर अंशदान दिया गया।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सीकर के तत्वावधान में भारत स्काउट गाइड स्थापना दिवस विभिन्न कार्यक्रमों के साथ मनाया गया। कलेक्ट्रेट सभागार में स्थापना दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें स्काउट गाइड के विभिन्न वक्ताओं ने अपने विचार प्रस्तुत किए और स्काउट गाइड को और मजबूत करने पर बल दिया। कलेक्ट्रेट सभागार में ही भारत स्काउट गाइड के डायमंड जुबली वर्ष फ्लैग स्टिकर का विमोचन जिला कलक्टर सीकर श्री मुकुल शर्मा, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी एवं मुख्य जिला आयुक्त स्काउट श्री शीशराम कुल्हरि, जिला कोषाध्यक्ष स्काउट गाइड सीकर

मामराज शर्मा ने किया। इस अवसर पर जिला कलक्टर ने कहा कि स्काउट गाइड जिला सीकर के गांव गांव में सेवा के नए–नए आयाम स्थापित करें और आगे बढ़े। स्काउट गाइड सदस्यों को अधिक से अधिक सहयोग प्रदान किया जाएगा और समय–समय पर सहयोग लिया जाएगा। श्री कुल्हरि ने जिले के सभी स्काउट गाइड सदस्यों को स्थापना दिवस पर बधाई दी एवं कहा की संस्था प्रधान स्काउट व गाइड के स्टिकर की बिक्री करने में अधिक से अधिक सहयोग प्रदान करें। इस अवसर पर सीओ स्काउट बसंत कुमार लाटा, सीओ गाइड प्रियंका कुमारी, सचिव महेंद्र कुमार पारीक, सहायक सचिव देवीलाल जाट, स्काउट मास्टर ओमप्रकाश रेगर, रेंजर लीडर विज्ञान महाविद्यालय सीकर सुनीता सिंह, रोवर लीडर गुलजारीलाल सैनी, मोहनलाल सुखाड़िया रोवर लीडर एवं

विभिन्न विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के स्काउट गाइड रोवर रेंजर व अन्य स्काउट गाइड पदाधिकारी उपस्थित रहे।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, अलवर द्वारा 75वां स्काउट गाइड स्थापना दिवस 7 नवंबर को मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी एवं जिला मुख्य आयुक्त स्काउट श्री महेश कुमार गुप्ता के मुख्य आतिथ्य में राष्ट्रीय मुख्यालय द्वारा प्राप्त स्टीकर का विमोचन कर मनाया गया। इस अवसर पर श्री नेकीराम

जिला कमिश्नर स्काउट एवं जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक प्रारंभिक मुख्यालय अलवर ने कब बुलबुल स्काउट गाइड रोवर रेंजर को स्काउटिंग गाइडिंग के महत्व की जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर कब और बुलबुल ने विशाल गर्जना और बड़ी सलामी द्वारा अतिथियों का स्वागत किया।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सीकर के तत्वावधान में 21 अक्टूबर से राज्य पुरस्कार स्काउट व गाइड अभिशंसा शिविर जिला मुख्यालय बड़ा तालाब सांवली रोड़, सीकर पर किया गया। शिविर में जिला सीकर क्षेत्र के 18 रोवर, 47 रेजर व 7 स्काउट गाइड अधिकारियों ने भाग लिया। शिविर में नियम, प्रतिज्ञा, ध्वज गीत, प्रार्थना, पोशाक, प्राथमिक सहायता,

अनुमान लगाना, आपदा प्रबंधन, सिगनलिंग, दक्षता बैज, आंदोलन का सिद्धांत, पायनियरिंग, मैपिंग, ध्वजों की जानकारी, एंबुलेंसमेन बैज, चिन्ह सल्यूट, बायां हाथ मिलाना, समाज सेवा एवं शिविर कला, इकोलॉजिस्ट रेम्बलर बैज, सामुदायिक सेवा क्षेत्र में किए गए कार्यों, 6 माह के सामुदायिक सेवा प्रोजेक्ट, समाज सेवा एवं सामुदायिक विकास कार्यक्रम, आंदोलन का इतिहास सहित अनेक प्रकार के क्रियाकलापों, प्रश्नोत्तरी की परीक्षा ली गई। शिविर के दौरान सी.ओ. स्काउट बसंत कुमार लाटा, सी.ओ. गाइड प्रियंका कुमारी, नंदिरा परवीन, मोहनलाल सुखाड़िया, गुलजारीलाल सैनी, देवेश कुमार लाटा, श्याम रथ, लखन बावरिया ने शिविर संचालन में पूर्ण सहयोग प्रदान किया। सर्वजन प्रार्थना सभा एवं ध्वजावतरण के साथ शिविर का समापन किया गया।

जोधपुर संभाग

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, जोधपुर के तत्वावधान में भारत स्काउट व गाइड संगठन के 75 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर वर्ष पर्यंत स्काउट गतिविधियों के संचालन तथा आपदा प्रबंधन में सहयोग प्राप्त करने हेतु संचालित झंडा बिक्री अभियान का आगाज जोधपुर जिला कलक्टर श्री गौरव अग्रवाल के हाथों हुआ। इस अवसर पर सी.ओ. स्काउट छतर सिंह पीडीयार. सी.ओ. गाइड निशु कंवर, लीडर ट्रेनर शशि शर्मा, कांता शर्मा, प्रकाश, वरिष्ठ रोवर एवं रेंजर्स उपस्थित रहे। जिला कलक्टर गौरव अग्रवाल ने स्काउट गाइड के 75 वर्षों की यात्रा के गौरवमई सेवाकाल को स्मरण करते हुए भविष्य में

मानव सेवा हेतु किए जाने वाली विभिन्न कार्यों में सक्रिय सहभागिता का आह्वान किया। स्काउट गाइड के जिला सचिव डॉ. बी.एल. जाखड़ ने बताया कि स्थापना के हीरक जयंती वर्ष में स्काउट गाइड राष्ट्रीय व राज्य स्तर पर अपनी गतिविधियों को और सक्रियता से संचालित करेगा।

- सिरोही में जिला कलक्टर अल्पा चौधरी ने स्काउट गाइड फ्लैग स्टीकर का विमोचन कर जिले में स्काउट गाइड व छात्र–छात्राओं को वितरण करने के लिए जारी किए। प्रारम्भ में सुश्री कोमल प्रजापत रेंजर गाइड ने जिला कलक्टर अल्पा चौधरी को एवं अतिरिक्त जिला कलक्टर डॉ. दिनेश राय

सापेला को सी.ओ. स्काउट एम.आर. वर्मा ने स्कार्फ पहनाकर व स्टीकर लगाकर स्वागत किया। इस अवसर पर स्काउट गाइड जिला प्रतिनिधि मंडल ने 19 से 23 नवम्बर 2024 तक राउमावि, अजारी के खेल मैदान में आयोज्य जिला स्तरीय स्काउट गाइड प्रतियोगिता रैली की विभिन्न व्यवस्थाओं से जिला कलक्टर को अवगत कराया और जिला कलक्टर ने स्काउट गाइड रैली के लोगो का भी विमोचन किया। तत्पश्चात मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रकाश चंद्र अग्रवाल से सम्पर्क कर भारत स्काउट गाइड स्थापना दिवस पर गणपत सिंह देवडा ने स्कार्फ एवं एम.आर. वर्मा ने स्टीकर लगाकर जिले में आयोजित स्काउट गाइड गतिविधियों पर विस्तार से चर्चा की।

इस अवसर पर सहायक निदेशक अजय माथुर, सी.ओ. स्काउट एम.आर.वर्मा, कार्यवाहक जिला शिक्षा अधिकारी मा. शि. भबूताराम मेघवाल, पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी गणपतसिंह देवडा, स्काउट जिला कोषाध्यक्ष व पूर्व लेखाधिकारी अशोक कुमार दवे, सेवानिवृत प्राधानाचार्य लालाराम रावल, सचिव मंछाराम व कालूसिंह देवडा, तोलाराम फाचरिया, गणपत सिंह भाटी, गोपाल सिंह राव, दिलीप कश्यप, मोहित अग्रवाल, रोहित कमार, कोमल प्रजापत आदि स्काउटर गाइडर व रोवर रेंजर उपस्थित थे।

- पाली जिले में भारत स्काउट गाइड के 75वें स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर जारी फ्लैग स्टीकर का अतिरिक्त जिला कलक्टर पाली डॉ. बजरंग सिंह एवं जिला पुलिस अधीक्षक श्री

चुनाराम जाट द्वारा विमोचन किया गया। इस अवसर पर सी. ओ. गाइड डिम्पल दवे ने विमोचन के पश्चात अति. कलेक्टर सहित उपस्थित अधिकारियों को स्टीकर भेंट कर अंशदान प्राप्त किया। पाली जिले के स्काउटर व गाइडर भी इस अवसर पर उपस्थित रहे।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, जैसलमेर के तत्वावधान में 7 नवंबर 2024 को भारत स्काउट गाइड स्थापना दिवस मनाया गया। स्काउट गाइड स्थापना दिवस की 75वीं वर्षगांठ हीरक जयंती के रूप में जिला कलक्टर श्री प्रताप सिंह नाथावत ने स्टीकर विमोचन किया एवं भारत स्काउट गाइड जिला संगठन को हार्दिक बधाइयां प्रेषित की। मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी श्री शंकर सिंह उदावत, जिला शिक्षा अधिकारी प्रारंभिक एवं माध्यमिक श्री रामनिवास शर्मा, अतिरिक्त जिला

शिक्षा अधिकारी श्री जितेंद्र सिंह ने भी स्टीकर विमोचन सहित स्काउट स्थापना दिवस गतिविधियों को सुचारू रूप से आगे बढ़ाने की प्रेरणा का संदेश दिया। सी.ओ.गाइड सुश्री कृतिका पाराशर ने स्काउट गाइड डायमंड जुबली पर समस्त जिला ग्रुपों को बधाई दी तथा 18 नवंबर 2024 से जिला मुख्यालय पर आयोजित होने वाले राज्य पुरस्कार अभिशंसा शिविर की सूचना दी कि इसमें जिले से स्काउट गाइड सम्मिलित होंगे। कार्यक्रम में सहायक सचिव भोजराज वैष्णव, संयुक्त सचिव श्रीमती दीपिका, गाइड कैप्टन भावना शर्मा, रोवर कासमलाल, रेंजर दीपिका चावला, गाइड ईशिका चावला भी उपस्थित रहे तथा गतिविधि का संचालन किया।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, जालोर के तत्वावधान में 7 नवंबर 2024 को भारत स्काउट व गाइड स्थापना दिवस मनाया गया। 75 वें भारत स्काउट व गाइड

स्थापना दिवस के अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक प्रारंभिक मुख्यालय जालोर श्री भेराराम कलबी ने स्काउट गाइड फ्लैग स्टीकर का विमोचन कर बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की। इस अवसर पर स्काउट गाइड स्काउटर गाइडर उपस्थित रहे।

- बाड़मेर में 07 नवंबर को भारत स्काउट गाइड के 75वें स्थापना दिवस के अवसर पर बाड़मेर जिला कलक्टर टीना डाबी ने फ्लैग स्टीकर का विमोचन किया। सी.ओ. स्काउट योगेंद्र सिंह राठौड़ ने बताया कि 30 नवंबर तक जिले में संगठन से जुड़े सभी पदाधिकारी कार्यकर्ता एवं बालक बालिकाओं के माध्यम से जन सामान्य को स्काउट गाइड प्रतीक चिन्ह स्टीकर लगाकर संगठन का प्रचार प्रसार करते हुए आर्थिक सहयोग

लिया जाकर संग्रहित राशि राष्ट्रीय मुख्यालय पर जमा कराई जाएगी। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलक्टर राजेंद्र सिंह चांदावत, रोवर कमिश्नर डॉ. आदर्श किशोर जाणी, रेंजर लीडर एमबीसी कॉलेज श्रीमती लक्ष्मी चौधरी, स्काउट कमिश्नर कमल सिंह रानीगांव, स्काउटर दशरथ कुमार गर्ग सनावड़ा, स्काउटर भंवरलाल खोरवाल रातड़ी, स्काउटर विष्णु दत गौड़ लीलसर, राजकीय महाविद्यालय के रोवर ललित सुथार, मनोज कुमार, महेश कुमार, पुखराज, रेंजर दिव्या, पूजा, गुणवत्ता, संतोष, वीरों, कमला, शोभना, ओमकंवर, शांति, मन्जू, रानी, शान्ति, वंदना, एमबीसी कन्या महाविद्यालय की रेंजर्स दुर्गा, डिंपल, अपर्णा, डॉली, ललिता, पलक, मीनाक्षी, हेमलता, जसोदा, निशा और उजास ग्रुप के रोवर रेंजर उपस्थित रहे।

कोटा संभाग

- झालावाड़ जिले में भारत स्काउट गाइड स्थापना दिवस के अवसर पर स्काउट गाइड संगठन को आर्थिक दृष्टि से आत्मनिर्भर बनाने के लिए "स्काउट गाइड फ्लैग स्टीकर" बिक्री हेतु जिला कलक्टर झालावाड श्री अजय सिंह राठौर ने स्टीकर का विमोचन कर समस्त स्काउट गाइड को स्थापना दिवस की बधाई दी। सी.ओ. स्काउट रामकृष्ण शर्मा ने बताया की स्टीकर से प्राप्त राशि से स्काउट गाइड संगठन द्वारा एक आरक्षित कोष तैयार किया जा रहा है। जिसका उपयोग संगठन की सेवाभावी गतिविधियों के साथ–साथ विभिन्न आपदाओं जैसे भूकम्प, बाढ, अग्नि दुर्घटना आदि से पीडित व्यक्तियों के लिए किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी श्री राम सिंह मीणा, जिशिअ माशि श्री हेमराज पारेता, स्काउटर श्री कृष्ण मोहन देवडा, हरिओम लववंशी, भोलाराम, गाइडर कोमल चौरसिया एवं समस्त स्काउट, गाइड, रोवर, रेंजर द्वारा जन सामान्य को स्टीकर लगाए गये।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, बारां के तत्वावधान में भारत स्काउट गाइड स्थापना दिवस के अवसर पर जिला कलक्टर श्री रोहिताश सिंह तोमर द्वारा भारत स्काउट गाइड के फ्लैग स्टीकर का विमोचन करते हुए संपूर्ण बारां जिले के स्काउट गाइड रोवर रेंजर कब बुलबुल एवं समस्त पदाधिकारी को शुभकामनाएं देते हुए सेवा कार्यों की सराहना की। इस अवसर पर सी.ओ. स्काउट प्रदीप चित्तौड़ा ने भारत स्काउट गाइड संगठन की जानकारी देते हुए स्कार्फ पहनाकर स्वागत किया। जिला कमिश्नर एडल्ट अमजद यूसुफ द्वारा स्काउट गाइड बारां जिले की गतिविधियों की जानकारी दी गई। जिला ट्रेनिंग कमिश्नर राजेंद्र कुमार शर्मा ने 19 से 23 नवंबर 2024 तक आयोजित होने वाली मिनी जंबूरी की जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर सी.ओ. गाइड सुनीता मीणा ने स्टिकर लगाकर सर्वप्रथम राशि प्राप्त की। कार्यक्रम में जिला हेडक्वार्टर कमिश्नर भैरूलाल वर्मा, रोवर लीडर महेश सेन एवं कमलेश मीणा, स्काउट मास्टर दिनेश नागर, सीनियर रेंजर तमन्ना मीणा एवं सीनियर रोवर लक्ष्य गोयल ने सहयोग प्रदान किया।

उदयपुर संभाग

- भारत स्काउट व गाइड, भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, उदयपुर के तत्वावधान में 07 नवम्बर को भारत स्काउट व गाइड स्थापना दिवस झण्डा दिवस के रूप में जिला कलक्टर अरविन्द कुमार पोसवाल के मुख्य आतिथ्य में मनाया

गया। कलेक्ट्रेट कार्यालय में जिला कलक्टर ने अपने कर–कमलों से भारत स्काउट गाइड फ्लैग का विमोचन कर स्काउट गाइड संगठन को आर्थिक सहयोग प्रदान कर शुरूआत की। कार्यक्रम के प्रारम्भ में सहायक राज्य संगठन आयुक्त स्काउट मनमोहन स्वर्णकार ने जिला कलक्टर को मेवाडी परंपरानुसार इकलाई, सी.ओ. स्काउट सुरेन्द्र कुमार पाण्डे ने संगठन का स्कार्फ पहनाकर तथा सी.ओ गाइड विजय लक्ष्मी वर्मा ने पुष्पगुच्छ भेंट कर जिला कलक्टर का अभिवादन किया। इस अवसर पर जिला कलक्टर अरविन्द कुमार पोसवाल ने उपस्थित स्काउटर, गाइडर, स्काउट, गाइड, रोवर, रेंजर तथा स्काउट गाइड संगठन के पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि जिले में भारत स्काउट व गाइड संगठन बहुत ही बेहतरीन ढंग से समसामयिक सेवा प्रकल्पों में अपना उल्लेखनीय योगदान दे रहा है।

कार्यवाहक सहायक राज्य संगठन आयुक्त मनमोहन स्वर्णकार ने बताया कि 07 नवम्बर से शुरू होकर यह योजना संपूर्ण राष्ट्र में कब, बुलबुल, स्काउट, गाइड, रोवर, रेंजर तथा संगठन के सभी वयस्क लीडर के माध्यम से जन सामान्य को झण्डा बिक्री कर आर्थिक सहयोग राशि प्राप्त कर स्काउट गाइड कोष में जमा कराएंगे।

- डूंगरपुर जिला पुलिस अधीक्षक मोनिका सेन, अतिरिक्त जिला कलक्टर दिनेश धाकड़, मुख्य कार्यकारी अधिकारी हनुमान सिंह राठौड़ ने स्काउट गाइड फ्लैग स्टीकर का विमोचन किया। सीओ स्काउट सुनील कुमार सोनी ने अधिकारियों को फ्लैग लगाकर अभियान का शुभारम्भ किया। अतिरिक्त जिला

कलक्टर दिनेश धाकड़ ने विधानसभा उपचुनाव में दिव्यांग मतदाताओं के शत प्रतिशत मतदान बढ़ाने में सहयोग के निर्देष दिए। साथ ही मतदाता जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नाना लाल अहारी, ललित कुमार बरण्डा, भैंरू लाल कटारा, सुशीला डामोर, दीपशिखा गरासिया, लीलाराम गामोट, प्रतीक कुमार प्रजापत, अल्पेश लौहार, ललित डामोर उपस्थित रहे।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, राजसमन्द द्वारा भारत स्काउट व गाइड के 75वें स्थापना दिवस पर जिला कलक्टर बाल मुकुन्द असावा एवं अतिरिक्त जिला कलक्टर नरेश बुनकर व जिला पुलिस अधीक्षक मनीष त्रिपाठी ने फ्लैग

स्टीकर का विमोचन कर स्थापना दिवस पर स्काउट गाइड परिवार को शुभकामनाएं प्रेषित की। इस अवसर पर एस.डी.एम. नाथद्वारा एवं एस.डी.एम. देवगढ़ को भी सी.ओ.गाइड अभिलाषा मिश्रा ने स्टीकर लगाकर स्थापना दिवस की शुभकामना दी।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, राजसमन्द के तत्वावधान में तीन दिवसीय प्रकृति अध्ययन शिविर 06 से 08 नवम्बर तक आयोजित किया गया, जिसके तहत शिविरार्थियों ने प्रकृति की गोद में जाकर नजदीकी से अध्ययन किया। शिविर प्रभारी एवं सी.ओ. गाइड अभिलाषा मिश्रा ने बताया कि शिविर का उद्घाटन फ्लैग सेरेमनी के साथ हुआ। प्रकृति संरक्षण से संबंधित पोस्टर प्रतियोगिता, नारा–लेखन व निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सम्भागियों को भोपा जी

की भागल, विद्यालय हल्दी घाटी, रक्त तलाई, शाही बाग, चेतक स्मारक, हल्दीघाटी म्युजियम, गणेश टेकरी, राम भोला, शिवमुर्ति, लाल बाघ के प्राकृतिक सौन्दर्य का अवलोकन व नजदीकी से प्रकृति का अध्ययन कराया गया। इस अवसर पर अपने उद्बोधन में स्काउट गाइड बालक–बालिकाओं को सम्बोधित करते हुए कृष्ण गोपाल गुर्जर सेवा भावी शिक्षक ने कहा कि पशु पक्षियों की सेवा ही परमों धर्म है। गुर्जर ने अपने विद्यालय में बनाये गये गोरैया गांव गोरैया कॉलोनी का अवलोकन कराया। स्थानीय संघ सचिव धर्मेन्द्र गुर्जर 'अनोखा' ने बताया की इस प्रकृति अध्ययन शिविर में राजसमन्द जिले के विभिन्न विद्यालय एवं महाविद्यालय के कुल 45 स्काउट, गाइड, रोवर व रेन्जर सम्भागियों ने सहभागिता की। ये सम्भागी अपने अपने विद्यालय महाविद्यालय में जाकर अन्य बालक–बालिकाओं एवं जन मानस को प्रकृति संरक्षा के प्रति जागरूक

करेंगे। भोपा जी की भागल के शिक्षक ने पक्षियों के लिए परिण्डे चुग्गा पात्र, पानी की प्याउ, विभिन्न प्रकार के घोंसले आदि सभी स्काउट गाइड को उपहार स्वरूप प्रदान किए। इस अवसर पर संचालक दल के राकेश टांक, राधेश्याम राणा, धर्मेन्द्र गुर्जर 'अनोखा', माधवलाल जटिया, नारायण सुथार आदि भ्रमण में स्काउट गाइड के साथ उपस्थित थे।

- चित्तौड़गढ़ जिले में भारत स्काउट व गाइड स्थापना दिवस के अवसर पर जिला कलक्टर आलोक रंजन व जिला पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी ने स्काउट गाइड फ्लैग स्टीकर का विमोचन किया। इससे पूर्व सांसद सी.पी. जोशी एवं चित्तौड़गढ़ विधायक चन्द्रभान सिंह आक्या ने अपने निवास पर स्काउट गाइड स्टीकर का विमोचन कर जिले के समस्त कब–बुलबुल, स्काउट–गाइड, रोवर–रेंजर सदस्यों एवं पदाधिकारियों को

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रदान की। स्टीकर विमोचन के अवसर पर स्काउट गाइड पदाधिकारी प्रमोद कुमार दशोरा–मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी एवं पदेन जिला मुख्य आयुक्त चित्तौड़गढ़, स्काउट गाइड जिला उपाध्यक्ष अनिल सक्सैना, श्याम लाल शर्मा सरपंच विजयपुर, जिला कमिश्नर एडल्ट रिर्सोस (स्काउट) व लीडर ट्रेनर इन्द्र लाल आमेटा, स्थानीय संघ चित्तौड़गढ़ प्रधान व अध्यक्ष जिला पेंशनर समाज लक्ष्मी नारायण दशोरा ने संगठन के प्रतीक स्कार्फ पहनाकर सभी का स्वागत व अभिनन्दन किया।

सी.ओ. स्काउट चित्तौड़गढ़ चन्द्र शंकर श्रीवास्तव ने बताया कि इस अवसर पर अति. जिला कलक्टर प्रशासन श्रीमती प्रभा गौतम, अति. जिला कलक्टर भू.अ. रामचन्द्र खटीक, अति. जिला पुलिस अधीक्षक श्रीमती सरिता सिंह, मुख्य कार्यकारी अधिकारी विजय पाठक द्वारा भी फ्लैग स्टीकर का विमोचन किया गया। इस अवसर पर जिला हैडक्वार्टर कमिश्नर अखिलेश कुमार श्रीवास्तव, स्थानीय संघ चित्तौड़गढ़ सचिव पंकज दशोरा, राजकुमार सुखवाल, देवकी नन्दन वैष्णव, रोवर लीडर हेमेन्द्र कुमार सोनी, रोवर पवन माली, रौनक लखारा, लोकेश जाट, सूरज पासवान, राहुल माली, रेंजर दीपिका बंजारा, दिव्या मेनारिया, कोहिनूर बानो, स्काउट भगत आदि उपस्थित थे।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, डूंगरपुर के तत्वावधान में जिला स्तरीय प्रकृति अध्ययन शिविर का आयोजन जिला मुख्यालय डूंगरपुर पर किया गया। स्काउट के

माध्यम से ऐसे शिविर में संभागियो को अधिकाधिक ज्ञान देने का प्रयास किया जाता है। शिविर संचालक ललित कुमार बरंडा ने बताया कि शिविर में पोस्टर प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता, ऊर्जा सरंक्षण, सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त अभियान, हाइक का आयोजन किया गया। शिविर में प्रियंका कटारा, राहुल डामोर, इंदिरा कुमारी रोत, कान्तिलाल बरंडा, ललित डामोर ने अपनी सेवाएं दी।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, डूंगरपुर के तत्वावधान में जिले के स्काउट गाइड रोवर रेंजर ने स्वीप अभियान के तहत मानव श्रृंखला बनाकर विधानसभा उपचुनाव में शत प्रतिशत मतदान करने का संदेश दिया। सी.ओ. स्काउट सुनील कुमार सोनी ने बताया कि विधानसभा उपचुनाव में दिव्यांग एवं वृद्धजनों की सहायता के लिए सभी बूथों पर स्काउट गाइड दिव्यांग मित्र बनकर मतदान करवाने में सहायता प्रदान करेंगे। स्काउटर हितेश कुमार नायक ने मतदान केंद्र पर जाकर अपना अमूल्य वोट देने, कब यूनिट लीडर अल्पेश लौहार ने स्काउट गाइड से मतदान प्रतिशत

बढ़ाने के लिए सभी मतदाताओं को प्रेरित करने का आह्वान किया। इस अवसर पर स्काउटर पुरूषोत्तम पुरोहित, मोहनलाल पाटीदार, अनुप कुमार जैन, पंकज मेहता, भूपेन्द्र कुमार सोनी, कान्तिलाल कटारा, भूपेन्द्र रावल, रमण लाल पाटीदार, लक्ष्मण लाल रेबारी, हितेन्शु पुरोहित, अजय कुमार रावल, संजीव भगोरा, हेमेन्द्र पण्डया, गाइडर मुन्नी यादव, रंजा पाटीदार उपस्थित रहे।

- बांसवाड़ा जिले में भारत स्काउट व गाइड के स्थापना दिवस के मौके पर बांसवाड़ा जिले में जिला संरक्षक जिला कलक्टर डॉ.

इंद्रजीत यादव द्वारा स्टीकर विमोचन किया गया। इस मौके पर सी.ओ. स्काउट दीपेश शर्मा द्वारा स्काउट गाइड गतिविधि के स्थापना दिवस के बारे में बताते हुए पुलिस अधीक्षक श्री हर्षवर्धन अग्रवाल, अतिरिक्त जिला कलक्टर श्री अभिषेक गोयल, मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद श्री गोपाल लाल स्वर्णकार एवं समस्त जिला स्तरीय आधिकारियों को स्टीकर लगाए गए। स्टीकर लगाने पर सभी अधिकारीगणों ने अपना अंशदान भी दिया। फ्लैग स्टीकर्स को विद्यालयों और महाविद्यालयों के स्काउट गाइड रोवर रेंजर के माध्यम से वितरित कर प्रति स्टीकर 10 रुपए राशि के अनुसार राज्य मुख्यालय के माध्यम से राष्ट्रीय मुख्यालय नई दिल्ली को राशि भिजवाई जाएगी। स्टीकर विमोचन के मौके पर रोवर ऋतिक सुथार, अक्षय पटेल, जितेंद्र यादव, हिताक्षी पंचाल मौजूद रही।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, प्रतापगढ़ द्वारा स्काउट गाइड स्थापना दिवस के अवसर पर स्टीकर विमोचन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। स्काउट गाइड स्टीकर का विमोचन जिला कलक्टर अंजली राजोरिया ने किया। सी.ओ. गाइड रेखा शर्मा ने बताया कि स्टीकर का विमोचन करते हुए जिला कलक्टर ने संस्था प्रधानों से अपना पूर्ण सहयोग प्रदान

करने की अपील की। स्टीकर विमोचन कार्यक्रम में जिला कलक्टर ने उपस्थित स्काउट गाइड स्काउटर गाइडर रोवर रेंजर एवं स्काउट गाइड पदाधिकारियों को स्काउट गाइड स्थापना दिवस की शुभकामना देते हुए कहा कि स्काउट गाइड एक ऐसा संगठन है जो बालक–बालिकाओं का सर्वांगिण विकास करने में अहम भूमिका निभाता है। उन्होंने स्काउट गाइड रोवर रेंजर से अपील की कि अधिकाधिक जन सेवा के कार्य करे एवं प्रशासन के कार्यों में पूर्ण सहयोग करें।

- द विजन अकादमी स्कूल (ए यूनिट ऑफ आरएमवी) उदयपुर द्वारा 7 नवम्बर को भारत स्काउट व गाइड का स्थापना दिवस मनाया गया। इस क्रम में विद्यालय ने आर्थिक सहयोग हेतु स्काउट गाइड बुलबुल के माध्यम से फ्लैग स्टीकर विक्रय कर चंदा इकट्ठा किया। 9 नवंबर को एक स्वच्छता रैली का

आयोजन किया गया, जिसमें 17 बुलबुल, 20 स्काउट, 25 गाइड ने भाग लिया। रैली का संचालन स्काउट मास्टर उमेश चंद्र पुरोहित, गाइडर शिप्रा चतुर्वेदी, फ्लॉक लीडर तरुण शर्मा के नेतृत्व में हुआ। रैली को डॉ. प्रतिमा सांमर जो विद्यालय की प्राचार्य है, ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, राजसमन्द के तत्वावधान में सूर्योदय उच्च माध्यमिक विद्यालय एमडी में 18 से 20 नवम्बर तक राज्य पुरस्कार जांच शिविर का आयोजन किया गया। सी.ओ. गाइड अभिलाषा मिश्रा ने बताया कि राज्य पुरस्कार जांच शिविर के उद्घाटन सत्र की मुख्य अतिथि राज्य संगठन आयुक्त सुयश लोढा, विशिष्ट अतिथि सहायक राज्य संगठन आयुक्त उदयपुर मनमोहन स्वर्णकार, सी.ओ. गाइड विजयलक्ष्मी, सूर्योदय उच्च माध्यमिक विद्यालय एमडी के

संस्थापक एवं संचालक प्यारेलाल कुमावत थे। इस अवसर पर अतिथियों ने लक्ष्मीपत सिंघानिया स्कूल, जे.के.ग्राम कांकरोली के स्काउट एवं गाइड कम्पनी का अवलोकन किया। अवलोकन में विद्यालय के प्राचार्य संजय अभिषेक, गाइडर मीना शर्मा, स्काउटर मितेश जोशी, एन.सी.सी. प्रभारी पाण्डे सर एवं स्टाफ उपस्थित था। स्थानीय संघ सचिव धर्मेन्द्र गुर्जर ने बताया कि राज्य पुरस्कार जांच शिविर में राजसमन्द जिले के 170 स्काउट व गाइड ने सहभागिता की।

राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस

14 दिसम्बर

विश्व की बढ़ती जनसंख्या के साथ ऊर्जा की आवश्यकताएँ भी बढ़ती ही जा रही हैं। परंतु जिस गति से ऊर्जा की आवश्यकता बढ़ रही है उसे देखते हुए ऊर्जा के समस्त संसाधनों के नष्ट होने की आशंका बढ़ने लगी है। अतः यह आवश्यक है कि हम ऊर्जा संरक्षण की ओर विशेष ध्यान दें अथवा इसके प्रतिस्थापन हेतु अन्य संसाधनों को विकसित करें क्योंकि यदि समय रहते हम अपने प्रयासों में सफल नहीं होते तो संपूर्ण मानव सभ्यता ही खतरे में पड़ सकती है।

भारत में हर साल 14 दिसम्बर को राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस मनाया जाता है। भारत में ऊर्जा संरक्षण अधिनियम वर्ष 2001 में ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (BEE) द्वारा लागू किया गया था। ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (BEE) एक संवैधानिक निकाय है जो भारत सरकार के अधीन आता है और ऊर्जा के उपयोग को कम करने के लिए नीतियों और रणनीतियों के विकास में मदद करता है। भारत में ऊर्जा संरक्षण अधिनियम का उद्देश्य पेशेवर, योग्य और ऊर्जावान प्रबंधकों एवं लेखा परीक्षकों (Auditor) की नियुक्ति करना है जिनके पास ऊर्जा से संबंधित परियोजनाओं के नीति निर्धारण, वित्त प्रबंधन एवं क्रियान्वयन की विशेषज्ञता हो।

ऊर्जा संरक्षण क्या है?

ऊर्जा संरक्षण का सही अर्थ ऊर्जा के अनावश्यक उपयोग से बचते हुए कम–से–कम ऊर्जा का उपयोग करना है ताकि भविष्य में उपयोग हेतु ऊर्जा के स्रोतों को बचाया जा सके। ऊर्जा संरक्षण की योजना को अधिक प्रभावशाली बनाने के लिए हर इंसान को अपने व्यवहार में ऊर्जा संरक्षण को शामिल करना चाहिए।

राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस का उद्देश्य

- राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस हर साल एक विशेष विषय के साथ कुछ लक्ष्यों और उद्देश्यों को ध्यान में रखकर लोगों के बीच अधिक प्रभावशाली बनाने के लिये मनाया जाता है।
- यह लोगों के बीच जीवन के हर क्षेत्र में ऊर्जा संरक्षण के महत्व का संदेश भेजने के लिए मनाया जाता है।
- ऊर्जा संरक्षण की प्रक्रिया को बढावा देने के लिये पूरे देश में बहुत से कार्यक्रमों जैसेः विचार विमर्श, सम्मेलनों, वाद–विवाद, कार्यशालाओं, प्रतियोगिताओं का आयोजन करना।
- अत्यधिक और फालतू ऊर्जा के उपयोग के स्थान पर कम ऊर्जा के प्रयोग के लिये लोगों को प्रोत्साहित करना।
- ऊर्जा की खपत में कमी और कुशलता पूर्वक उपयोग करने के लिये लोगों को प्रोत्साहित करना।

राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस कैसे मनाया जाता है?

पूरे भारत में राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण के अभियान को और प्रभावशाली और विशेष बनाने के लिये सरकार द्वारा और अन्य संगठनों द्वारा लोगों के बीच में बहुत सी ऊर्जा संरक्षण प्रतियोगिताओं का आयोजन कराया जाता है। कई जगहों पर संगठनों के छात्रों या सदस्यों द्वारा ऊर्जा संरक्षण दिवस पर स्कूल, राज्य, क्षेत्रीय या राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न चित्रकला प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाती है। प्रतियोगिता में भाग लेने और जीतने वाले छात्रों को 14 दिसंबर को राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस के कार्यक्रम में विद्युत मंत्रालय द्वारा सम्मानित किया जाता है।

ऊर्जा संरक्षण के उपाय क्या हैं?

- प्रत्येक व्यक्ति अपने दैनिक जीवन में उपयोग होने वाले पंखे, लाइट, हीटर या अन्य बिजली के उपकरणों के अनावश्यक प्रयोग को ध्यान में रखते हुए ऊर्जा की बचत कर सकते हैं। यह ऊर्जा के अतिरिक्त उपयोगों को बचाने का सबसे आसान और कारगर तरीका है, जिसके द्वारा राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण अभियान की दिशा में बड़ी भूमिका निभाई जा सकती है।
- जीवाश्म ईंधन, कच्चे तेल, कोयला और प्रातिक गैस आदि दैनिक जीवन में उपयोग के लिए पर्याप्त ऊर्जा उत्पन्न कर रहे हैं लेकिन दिन–ब–दिन इनकी मांग बढ़ती जा रही है, जिससे भविष्य में प्रातिक संसाधनों की कमी या समाप्त होने का डर पैदा हो गया है। अतः ऊर्जा संरक्षण को ध्यान में रखते हुए हमें ऊर्जा के गैर–अक्षय संसाधनों की जगह अक्षय

ऊर्जा संसाधनों का उपयोग करना चाहिए।

- कई देशों में वहां की सरकार द्वारा ऊर्जा संरक्षण को प्रभावशाली बनाने के लिए उर्जा कर या कार्बन कर लगाया गया है। ऊर्जा की उच्च खपत पर लगाये गए इस कर द्वारा ऊर्जा के उपयोग में कमी आई है और साथ ही उपयोगकर्ताओं के बीच ऊर्जा के सीमित उपयोग के प्रति जागरूकता बढ़ी है।
- लोगों को इस बात के लिए जागरूक करना चाहिए कि कार्यस्थल पर अधिक रोशनी वाले बल्ब से तनाव, सिर दर्द, रक्तचाप, थकान जैसी विभिन्न समस्याएं उत्पन्न होती है और श्रमिकों की कार्य कुशलता में भी कमी आती है। जबकि, दिन के प्रातिक प्रकाश में श्रमिकों की कार्य कुशलता के स्तर में भी वृद्धि होती है और ऊर्जा की खपत में भी कमी आती है।
- भारत सरकार द्वारा लोगों के दैनिक जीवन में उर्जा संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए साल 1977 में पेट्रोलियम संरक्षण अनुसंधान एसोसिएशन (PCRA) की स्थापना की गई थी। ऊर्जा संरक्षण की दिशा में यह भारत सरकार द्वारा उठाया गया बहुत बड़ा कदम है। इसके अलावा भारत सरकार ने साल 2001 में बेहतर ऊर्जा क्षमता और संरक्षण के लिए ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (BEE) नामक एक और सरकारी संगठन की स्थापना की थी।
- घरो में पानी की टंकियो में पानी पहुँचाने के लिए टाइमर का उपयोग करके पानी का व्यर्थ व्यय रोककर विद्युत ऊर्जा की बचत कर सकते हैं।
- घरों में 100 वाट के बल्ब या CFL के स्थान पर LED बल्बों का प्रयोग करके ऊर्जा की बचत की जा सकती है।
- हमें हमेशा आई.एस.आई. (ISI) चिन्हित विद्युत उपकरणों का इस्तेमाल करना चाहिए।
- शादी विवाह जैसे सामाजिक आयोजन एवं धार्मिक आयोजन यथासंभव दिन में ही करना चाहिए।
- दिन में सूर्य के प्रकाश का अधिकतम उपयोग करे तथा गैर जरूरी पंखे, लाईट, ए.सी. इत्यादि उपकरणों को बंद रखे। (खासकर कार्यालयों में भोजन अवकाश के दौरान और कक्ष से बाहर जाते समय)
- आवासीय परिसरों की स्ट्रीट लाइटों के लिए फोटो इलेक्ट्रिक कंट्रोल स्विच का उपयोग करना चाहिए।
- भवनों के निर्माण के दौरान प्लाट के चारों तरफ उपलब्ध भाग को पेड़ों–लताओं से आच्छादित करके हम भवनों को गर्म होने से बचा सकते है जिससे भवनों में रहने वालो को पंखे और कूलर इत्यादि का कम से कम उपयोग करना पड़ेगा।
- कमरे की दीवार की भीतरी सतह पर हलके रंगों का प्रयोग करे ऐसा करने से कम वाट के प्रकाश उपकरणों से कमरे को उपयुक्त रूप से प्रकाशमान किया जा सकता है।
- खाना बनाने हेतु बिजली के स्थान पर सोलर कुकर व पानी गर्म करने हेतु गीजर के स्थान पर सोलर वाटर हीटर का उपयोग कर हम बहुमूल्य विद्युत उर्जा का संरक्षण कर राष्ट्रहित में भागीदार बन सकते है। यदि गीजर का उपयोग करें तो इसे न्यूनतम समय तक उपयोग में लायें इसके लिए थर्मोस्टेट एवं टाइमर के तापमान की सेटिंग का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए।

अंत में यह कहा जा सकता है कि हमारे वैज्ञानिक ऊर्जा के नए एवं वैकल्पिक संसाधनों की खोज व इसके विकास में लगे हुए हैं। लेकिन हम नागरिकों का यह कर्तव्य है कि ऊर्जा के महत्व को समझें और ऊर्जा संरक्षण के प्रति जागरूक बनें। हमें निरंतर यह प्रयास करना चाहिए कि ऊर्जा चाहे जिस रूप में हो उसे हम व्यर्थ न जाने दें।

पृष्ठ संख्या 11 का शेष

शिक्षक के लिए धैर्य

विद्यार्थियों में यह गुण उन से कई बार चर्चा कर, टोक कर, कह कर उनके व्यवहार में धैर्य के साथ स्वयं को शांत व नियन्त्रित करते हुये परिवर्तन कर सकते हैं।

एक शिक्षक प्रतिदिन सुबह उठते ही सब से पहले अपने ईश्वर को याद करे तथा कुछ मिनट मन पर ध्यान करे। इस से मन की शक्ति बढ़ेगी, जिस से आप का (स्वयं शिक्षक का) आत्मविश्वास व धैर्य बढ़ेगा और आप किसी भी चुनौती का सफलतापूर्वक समाधन कर सकेंगे। एक शिक्षक ही नहीं कोई भी व्यक्ति या मानव इस कार्य को कर सकता है।

जब रात्रि में सोने के लिये जाएं तो पूरे दिन की घटनाओं पर क्रमवार विचार करें और देखें कि ऐसी कौनसी घटना या बात है जिसने आपको व्याकुल बना रखा है। उसके कारण पर विचार कर दूसरे दिन हल करने का विचार कर सब कुछ भगवान या ईश्वर या अपने ईष्ट को अर्पण कर दें। धैर्य के साथ मन को शांत कर शरीर को विश्राम देने का प्रयास करें।

शिक्षक के लिये तीसरी बात कक्षा कक्ष में जाने से पूर्व यह विचार करें या पाठ्यवस्तु को देखें कि आज कक्षा में मुझे क्या व कितना अध्यापन करवाना है। किस विधि का प्रयोग करना है। साथ ही सफल संवाद विद्यार्थियों के साथ किस प्रकार (उतार चढ़ाव) करना है तो आप निश्चित एक सफल व बालकों व विद्यार्थियों के लिये प्रेरणा देने वाले धैर्यवान शिक्षक होंगे।

हमारे महापुरुष

"सवा लाख से एक लड़ाऊँ"

गुरू गोबिन्द सिंह : जयन्ती 06 जनवरी 2025

वाहे गुरु का खालसा,

वाहे गुरु की फतेह

सिख संप्रदाय की स्थापना का उद्देश्य मुख्य रूप से हिन्दुओं की रक्षा करना था। इस संप्रदाय ने भारत को कई अहम मौकों पर मुगलों और अंग्रेजों से बचाया है। सिखों के दस गुरु माने गए हैं जिनमें से आखिरी गुरु थे – गुरु गोबिंद सिंह। खालसा पंथ के संस्थापक दशम गुरु श्री गुरु गोबिंद सिंह जी को एक महान स्वतंत्रता सेनानी और कवि माना जाता है। गुरु गोबिंद सिंह जी को त्याग और वीरता की मूर्ति भी माना जाता है।

''सवा लाख से एक लड़ाऊँ

चिड़ियों सों मैं बाज तड़ऊँ

तबे गोबिंद सिंह नाम कहाऊँ''

गुरु गोबिंद साहब को सिखों का अहम गुरु माना जाता है। उनकी सबसे बड़ी विशेषता उनकी बहादुरी थी। उनके लिए यह शब्द इस्तेमाल किए जाते हैं ''सवा लाख से एक लड़ाऊँ''।

गुरु गोबिंद साहिब

श्री गुरु गोबिंद सिंह जी सिखों के दसवें गुरू हैं। इनका जन्म पौष सुदी 7 वीं सन् 1666 को बिहार के पटना में माता गुजरी जी तथा पिता श्री गुरु तेगबहादुर जी के घर हुआ। उस समय गुरु तेगबहादुर जी बंगाल में थे। उन्हीं के वचनानुसार बालक का नाम गोविंद राय रखा गया और सन् 1699 को बैसाखी वाले दिन गुरुजी पंज प्यारों से अमृत छक कर गोविंद राय से गुरु गोविंद सिंह जी बन गए। इनका बचपन बिहार के पटना में ही बीता। जब 1675 में श्री गुरु तेगबहादुर जी दिल्ली में शहीद हुए तब गुरु गोबिंद साहब जी गुरु गद्दी पर विराजमान हुए।

खालसा की स्थापना

गुरु गोबिंद सिंह जी ने ही 1699 ई. में खालसा पंथ की स्थापना की। ख़ालसा यानि ख़ालिस (शुद्ध) जो मन, वचन एवं कर्म से शुद्ध हो और समाज के प्रति समर्पण का भाव रखता हो। पांच प्यारे बनाकर उन्हें गुरु का दर्जा देकर स्वयं उनके शिष्य बन जाते हैं और कहते हैं–जहां पाँच सिख इकट्ठे होंगे, वहीं मैं निवास करूंगा। उन्होंने सभी जातियों के भेद–भाव को समाप्त करके समानता स्थापित की और उनमें आत्म–सम्मान की भावना भी पैदा की। गोविन्द सिंह जी ने एक नया नारा दिया था – वाहे गुरु जी का ख़ालसा, वाहे गुरु जी की फतेह। दमदमा साहिब में आपने अपनी याद शक्ति और ब्रह्मबल से श्री गुरुग्रंथ साहिब का उच्चारण किया और लिखारी (लेखक) भाई मनी सिंह जी ने गुरुबाणी को लिखा।

पांच ककार

युद्ध की प्रत्येक स्थिति में सदा तैयार रहने के लिए उन्होंने सिखों के लिए पांच ककार अनिवार्य घोषित किए, जिन्हें आज भी प्रत्येक सिख धारण करना अपना गौरव समझता है –

(1) केश– जिसे सभी गुरु और ऋषि मुनि धारण करते आए थे।

(2) कंघा– केशों को साफ करने के लिए।

(3) कच्छा– स्फूर्ति के लिए।

(4) कड़ा– नियम और संयम में रहने की चेतावनी देने के लिए।

(5) कृपाण– आत्मरक्षा के लिए।

वीरता और धैर्यशीलता की मिसाल

गुरु गोबिंद सिंह ने अपनी जिंदगी में वह सब देखा था, जिसे देखने के बाद शायद एक आम मनुष्य अपने मार्ग से भटक या डगमगा जाए लेकिन उनके साथ ऐसा नहीं हुआ। परदादा गुरु अर्जुनदेव की शहादत, दादागुरु हरगोविंद द्वारा किए गए युद्ध, पिता गुरु तेगबहादुर की शहीदी, दो पुत्रों का चमकौर के युद्ध में शहीद होना, दो पुत्रों को जिंदा दीवार में चुनवा दिया जाना वीरता व बलिदान की विलक्षण मिसालें हैं। इस सारे घटनाक्रम में भी अड़िग रहकर गुरु गोविंद सिंह संघर्षरत रहे, यह कोई सामान्य बात नहीं है।

गुरु गोविन्द सिंह ने अपना अंतिम समय निकट जानकर अपने सभी सिखों को एकत्रित किया और उन्हें मर्यादित तथा शुभ आचरण करने, देश से प्रेम करने और सदा दीन–दुखियों की सहायता करने की सीख दी। इसके बाद यह भी कहा कि अब उनके बाद कोई देहधारी गुरु नहीं होगा और 'गुरुग्रन्थ साहिब' ही आगे गुरु के रूप में उनका मार्ग दर्शन करेंगे। गुरु गोविंदसिंह की मृत्यु 7 अक्टूबर सन् 1708 ई. में नांदेड़, महाराष्ट्र में हुई थी।

आज के समय गुरु गोबिंद सिंह का जीवन हमारे लिए बेहद प्रासंगिक है। आज उनकी शिक्षाएं हमारे जीवन को एक आदर्श मार्ग पर ले जाने में अति सहायक साबित हो सकती हैं।

हमारा स्वास्थ्य

आयुर्वेद के अनुसार भोजन करने के 5 नियम

◆ डॉ. पी.सी. जैन
राज्य सचिव
संकलनकर्ता

अपनी बात को शुरू करने से पहले मैं श्रीमद्भगवत गीता के 17 वें अध्याय के 8वें, 9वें और 10वें श्लोक को कहना चाहूँगा जो आयुर्वेद के सार को निरूपित करते हैं।

आयु:,सत्त्वबलारोग्यसुखप्रीतिविवर्धना:।
रस्या: स्निग्धा:स्थिरा हृद्याआहारा: सात्त्विकप्रिया:।।८।।

अर्थात– जो भोजन सात्त्विक व्यक्तियों को प्रिय होता है, वह आयु बढ़ाने वाला, जीवन को शुद्ध करने वाला तथा बल स्वास्थ्य, सुख तथा तृप्ति प्रदान करने वाला होता है। ऐसा भोजन रसमय, स्निग्ध, स्वास्थ्यप्रद तथा हृदय को भाने वाला होता है।

कट्वम्लवणात्युष्णतीक्ष्णरूक्षाविदाहिन:।
आहारा राजसस्येष्टा दु:खशोकामयप्रदा:।।९।।

अर्थात– अत्यधिक तिक्त, खट्टे, नमकीन, गरम, चटपटे, शुष्क तथा जलन उत्पन्न करने वाले भोजन रजो गुणी व्यक्तियों को प्रिय होते हैं। ऐसे भोजन दु:ख, शोक तथा रोग उत्पन्न करने वाले हैं।

यातयामं गतरसं पूति पर्युषितं च यत्।
उच्छिष्टमपि चामेध्यं भोजनं तामसप्रियम्
।। १० ।।

अर्थात– खाने से तीन घण्टे पूर्व पकाया गया, स्वादहीन, वियोजित एवं सड़ा, जूठा तथा अस्पृस्य वस्तुओं से युक्त भोजन उन लोगों को प्रिय होता है, जो तामसी होते हैं।

अब बात करते है आयुर्वेद के उन 5 नियमों की जिनका हमें भोजन के विषय में पालन करना चाहिये।

नियम १: चबा चबा कर भोजन करना

हमें भोजन चबा चबा कर करना चाहिये। एक कहावत है – खाओ कम चबाओं ज्यादा।

आयुर्वेद के अनुसार हमें एक कौर भोजन को 32 बार चबाना चाहिये। और यदि 32 बार न चबा सकें तो कम से कम 20 बार तो अवश्य चबाना चाहिये। अब इसका मतलब यह नहीं है, कि हम गिनती करना शुरू कर दें। हमें भोजन को इतना चबाना चाहिये ताकि उसे आराम से निगला जा सके। ऐसा करने से भोजन आसानी से पच सकेगा और आपको उससे होने वाला लाभ भी पूरा–पूरा मिल सकेगा

आयुर्वेद के अनुसार हमें एक कौर भोजन को 32 बार चबाना चाहिये। और यदि 32 बार न चबा सकें तो कम से कम 20 बार तो अवश्य चबाना चाहिये। अब इसका मतलब यह नहीं है, कि हम गिनती करना शुरू कर दें। हमें भोजन को इतना चबाना चाहिये ताकि उसे आराम से निगला जा सके। ऐसा करने से भोजन आसानी से पच सकेगा और आपको उससे होने वाला लाभ भी पूरा-पूरा मिल सकेगा

नियम २: भोजन जल और वायु में सन्तुलन

आयुर्वेद के अनुसार हमें अपने पेट का 50 फीसदी भाग भोजन से और 25 फीसदी भाग जल से भरना चाहिये और बचा हुआ 25 फीसदी भाग वायु के लिये खाली छोड़ देना चाहिये।

नियम ३: सूर्यास्त के बाद भोजन नहीं

आयुर्वेद के अनुसार सूर्यास्त के बाद आहार नहीं लेना चाहिए क्योंकि सूर्यास्त के बाद हमारे पेट की अग्नि मन्द पड़ जाती है, और हमारे भोजन पचाने की क्षमता कम हो जाती है। इसीलिये दोपहर का भोजन भारी किया जाता है क्योंकि उस

समय सूर्य प्रखर होता है।

परन्तु वर्तमान समय की जीवन शैली को देखते हुए यदि ऐसा करना सम्भव न हो तो आप कम–से–कम सोने से 4 घण्टे पहले भोजन जरूर कर लें। आप अपनी दिनचर्या के अनुसार समय तय कर लें। यदि आप रात 12 बजे सोते हैं तो आप 8 बजे तक खाना खा ले और यदि आप रात 1 बजे तक सोते हैं तो आप 9 बजे तक खाना खा सकते है।

रात का भोजन दोपहर के भोजन से हल्का होना चाहिये। और दोपहर के भोजन से कम भी।

नियम ४: प्राकृतिक भोजन करें

आयुर्वेद के अनुसार हम जो भोजन करें उसमें कृत्रिमता न हो। अर्थात फल सब्जियाँ और अनाज इनको इनके मूल रूप में खाये बिना पका कर। और पैकेज्ड किया हुआ भोजन, जिस भोजन में preservative मिला हो और फ्रिज में अधिक दिन तक स्टोर किया हुआ भोजन हमें नहीं करना चाहिये।

अपने भोजन में दिन में एक समय कच्ची सब्जियाँ, फल और सलाद का सेवन जरूर करें। यदि सम्भव हो तो सुबह अंकुरित अन्न का नाश्ता करें।

नियम ५: भोजन करने का सही क्रम

आयुर्वेद के अनुसार भोजन करने का एक क्रम होता है, जिसका हमे पालन करना चाहिये। हमारे आहार में षठरस (6–Tastes) होते हैं। जिनका क्रम से हमें अपने भोजन में उपयोग करना होता है। हमें अपने खाने की शुरूआत मीठे से करनी चाहिये। परन्तु वर्तमान समय में हम इसको सबसे बाद में खाते हैं। यह गलत है।

मीठे (Sweet) के बाद हमें खट्टा (Sour) खाना चाहिये। और खट्टे के बाद नमकीन (Salty) और उसके बाद तीखा (Pungent) और उसके बाद कड़वा (Bitter) और भोजन के अन्त में हमें कसैला (Astringent) पदार्थ खाना चाहिये। यानी क्रम कुछ इस प्रकार होना चाहिए :

मीठा

खट्टा

नमकीन

तीखा

कड़वा

कसैला

यदि आप स्वस्थ्य हैं तो अपने भोजन में इन 6 रसों का उपयोग कीजिये। और यदि आप अस्वस्थ्य हैं तो अपनी प्रकृति (वात, पित्त, कफ) के अनुसार भोजन में इन रसों का उपयोग कीजिये। उक्त 5 नियमों का यदि हम पालन करते हैं तो पेट में भारीपन, गैस, कब्ज, पेचिस जैसी तमाम बीमारियों से स्वय को बचा सकते हैं।

साभार – www.achhikhabar.com

CELEBRATIONS DAYS : DECEMBER 2024 - JANUARY 2025

02 December	:	Naional Pollution Control Day
07 December	:	Flag Day
10 December	:	World Human Rights Day
20 December	:	International Human Solidarity Day
24 December	:	National Consumer Day
06 January	:	Guru Gobind Singh Jayanti
10 January	:	World Hindi Day
12 January	:	National Youth Day
23 January	:	Subhash Chandra Bos Jayanti
24 January	:	National Girl Child Day
25 January	:	National Voters Day
26 January	:	Republic Day
30 January	:	Shahid Diwas (Gandhi ji)

Plan an activity with your unit on these days and send your success stories & photos to "scoutguidejyoti@gmail.com"

पर्यटन स्थल

मंडोर का किला

–स्काउट गाइड ज्योति डेस्क

मंडोर जोधपुर शहर में रेल्वे स्टेशन से 9 किलोमीटर की दूरी पर है। मण्डोर का प्राचीन नाम 'माण्डवपुर' था। यह पुराने समय में मारवाड़ राज्य की राजधानी हुआ करती थी। राव जोधा ने मंडोर को असुरक्षित मानकर सुरक्षा के लिहाज से चिड़िया कूट पर्वत पर मेहरानगढ़ का निर्माण कर अपने नाम से जोधपुर को बसाया था तथा इसे मारवाड़ की राजधानी बनाया। वर्तमान में मंडोर दुर्ग के भग्नावशेष ही बाकी हैं, जो बौद्ध स्थापत्य शैली के आधार पर बना था। इस दुर्ग में बड़े–बड़े प्रस्तरों को बिना किसी मसाले की सहायता से जोड़ा गया था।

यह परिहार राजाओं का गढ़ था। सैकड़ों सालों तक यहाँ से परिहार राजाओं ने सम्पूर्ण मारवाड़ पर अपना राज किया। सन् 1695 में चुंडाजी राठौड़ की शादी परिहार राजकुमारी से होने पर मंडोर उन्हे दहेज में मिला तब से परिहार राजाओं की इस प्राचीन राजधानी पर राठौड़ शासकों का राज हो गया। मन्डोर मारवाड़ की पुरानी राजधानी रही है। मन्डोर रावण की ससुराल होने की किदवन्ति भी है मगर रावण की पटरानी मन्दोदरी नाम से मिलता नाम के अलावा अन्य कोई साक्ष्य यहाँ उपलब्ध नहीं है। मन्डोर में सदियों से होली के दूसरे दिन राव का मेला लगता है। मेले के स्वरुप व परंपरा आज भी सेकड़ों साल पुरानी है। हाल के वर्षों में स्वरुप में जरुर बदलाव हुआ है मगर परम्पराओं में बदलाव नहीं हुआ है। मण्डोर का दुर्ग देवल, देवताओं की राल, जनाना, उद्यान, संग्रहालय, महल तथा अजीत पोल दर्शनीय स्थल हैं। मण्डोर साम्प्रदायिक सद्भाव एवं एकता का प्रतीक हैं। तनापीर की दरगाह, मकबरे, जैन मंदिर तथा वैष्णव मंदिर सभी का एक ही क्षेत्र में पाया जाना, इस तथ्य का मजबूत सबूत हैं कि विभिन्नता में एकता यहाँ के जीवन की प्रमुख विशेषता रही है।

स्थापत्य कला

आधुनिक काल में मंडोर में एक सुन्दर उद्यान बना है, जिसमें अजीत पोल, देवताओं की साल व वीरों का दालान, मंदिर, बावड़ी, जनाना महल, एक थम्बा महल, नहर, झील व जोधपुर के विभिन्न महाराजाओं के स्मारक बने हैं, जो स्थापत्य कला के बेजोड़ नमूने हैं। इस उद्यान में देशी–विदेशी पर्यटकों की भीड़ लगी रहती है। उद्यान में बनी कलात्मक इमारतों का निर्माण जोधपुर के महाराजा अजीत सिंह व उनके पुत्र महाराजा अभय सिंह के शासन काल के समय सन् 1714 से 1749 ई. के बीच किये गए थे।

मारवाड़ की इस प्राचीन राजधानी में कई प्राचीन स्मारक हैं। हॉल ऑफ हीरो में चट्टान से दीवार में तराशी हुई पन्द्रह आकृतियां हैं जो हिन्दु देवी–देवताओं का प्रतिनिधित्व करती है। अपने ऊँची चट्टानी चबूतरों के साथ, अपने आकर्षक बगीचों के कारण यह प्रचलित पिकनिक स्थल बन गया है।

जनाना महल

उद्यान में स्थित जनाना महल में वर्तमान समय में राजस्थान के पुरातत्त्व विभाग ने एक सुन्दर संग्रहालय बना रखा है, जिसमें पाषाण प्रतिमाएँ, शिलालेख, चित्र एवं विभिन्न प्रकार की कलात्मक सामग्री प्रदर्शित है। जनाना महल का निर्माण महाराजा अजीत सिंह (1707–1724 ई.) के शासन काल में हुआ था, जो स्थापत्य कला की ष्टि से एक बेजोड़ नमूना है। जानना महल के प्रवेश द्वार पर एक कलात्मक द्वार का निर्माण झरोखे निकाल कर किया गया है। इस भवन का निर्माण राजघराने की महिलाओं को राजस्थान में पड़ने वाली अत्यधिक गर्मी से निजात दिलाने हेतु कराया गया था। इसके प्रांगण में फव्वारे भी लगाये गए थे।

महल प्रांगण में ही एक पानी का कुंड है, जिसे 'नाग गंगा' के नाम से जाना जाता है। इस कुंड में पहाड़ों के बीच से एक पानी की छोटी–सी धारा सतत बहती रहती है। महल व बाग के बाहर एक तीन मंजिली प्रहरी ईमारत बनी है। इस बेजोड़ ईमारत को 'एक थम्बा महल' कहते हैं। इसका निर्माण भी महाराजा अजीत सिंह के शासन काल में ही हुआ था।

महाराजाओं के स्मारक

मंडोर उद्यान के मध्य भाग में दक्षिण से उत्तर की ओर एक ही पंक्ति में जोधपुर के महाराजाओं के स्मारक ऊँची प्रस्तर की कुर्सियों पर बने हैं, जिनकी स्थापत्य कला में हिन्दू स्थापत्य कला के साथ मुस्लिम स्थापत्य कला का उत्ष्ट समन्वय देखा जा सकता है। इनमें महाराजा अजीत सिंह का स्मारक सबसे विशाल है। स्मारकों के पास ही एक फव्वारों से सुसज्जित नहर बनी है, जो नागादड़ी झील से शुरू होकर उद्यान के मुख्य दरवाजे तक आती है। नागादड़ी झील का निर्माण कार्य मंडोर के नागवंशियों ने कराया था, जिस पर महाराजा अजीत सिंह व महाराजा अभय सिंह के शासन काल में बांध का निर्माण कराया गया था।

देवताओं की साल व वीरों का दालान

मंडोर उद्यान का एक प्रमुख दर्शनीय स्थल है। राजस्थानी भाषा में साल का अर्थ कक्ष और दालान का अर्थ बरामदा है। अजीत पोल से प्रवेश करते ही एक लम्बा बरामदा दिखाई पड़ता है इसे ही देवताओं की साल व वीरों का दालान कहा जाता है।

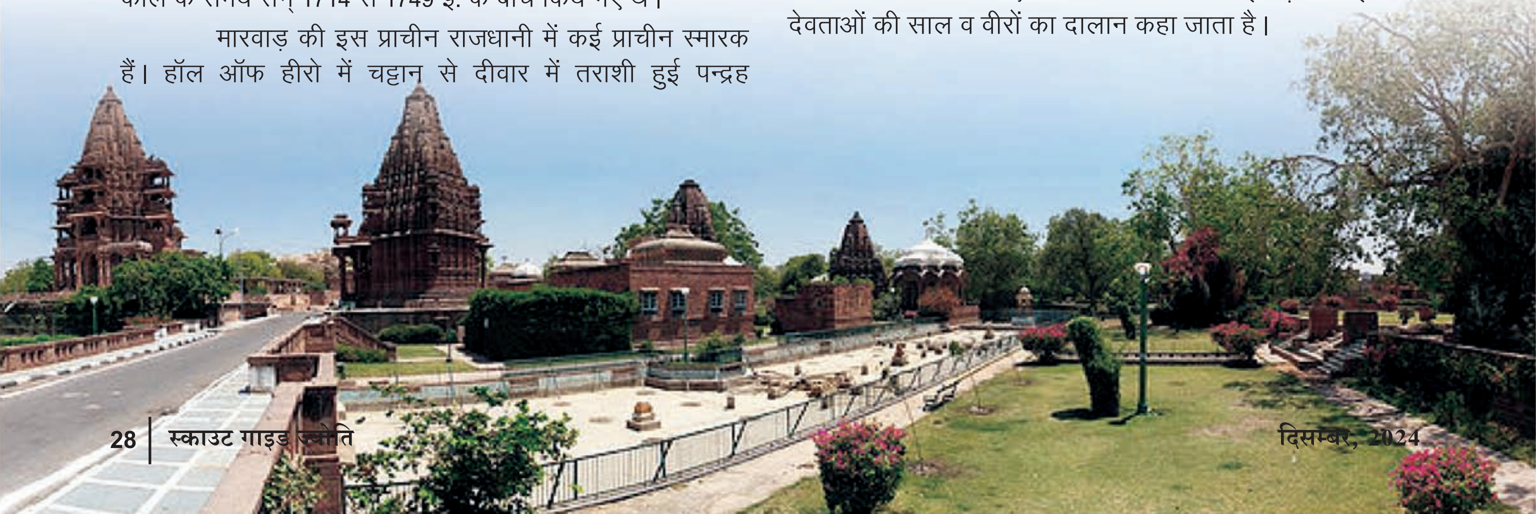

दक्षता पदक

स्काउट गाइड ज्योति में दक्षता पदकों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की जा रही हैं। आशा है यह जानकारी प्रशिक्षण के मद्देनज़र उपयोगी साबित होगी। इस अंक में 'स्वस्थ पुरूष एवं जड़ी-बूटी विज्ञ' दक्षता बैज की जानकारी दी जा रही है।

स्वस्थ पुरूष
HEALTHY MAN

स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क निवास करता है। इसी बात से अवगत कराना स्वस्थ पुरूष दक्षता बैज का उद्देश्य है। स्वस्थ पुरूष बनने के लिए क्या करना चाहिए व क्या नहीं करना चाहिए, की जानकारी इस दक्षता बैज के पाठ्यक्रम में इंगित की गई है।

(1) हृदय, फेफड़ों, त्वचा, दाँतों, पैरों, आमाशय तथा विशेष ज्ञानेन्द्रियों के अंगों (नाक, कान, आँख) को सही हालत में रखने की जानकारी हो तथा इनको ठीक हालत में रख सके और उन प्रमुख खतरों को जाने जिनसे इन्हें बचाया जा सकता है।

(2) खाने, पीने, सोने, साँस लेने, सफाई करने और व्यायाम करने के सामान्य नियम बताए तथा इन नियमों को कम–से–कम 12 माह तक पालन करने का प्रमाण प्रस्तुत करें।

(3) ताजी हवा के महत्व को जाने तथा कमरे को हवादार बनाने की जानकारी रखें।

(4) तम्बाकू, शराब, अफीम तथा अन्य नशीली दवाओं से उत्पन्न होने वाले खतरों को जाने, शक्ति से अधिक शारीरिक–श्रम करने और एक ही प्रकार का निरन्तर व्यायाम करते रहने की हानियों को जाने।

(5) शरीर के प्रत्येक अंग को सुदृढ़ व पुष्ट करने के लिए एक टोली को सरल व्यायाम सिखाए तथा उनके कारणों को बताए।

जड़ी-बूटी विज्ञ
HERBALIST

जड़ी बूटियों का हमारे जीवन में बहुत अधिक महत्व है। भारतीय आयुर्विज्ञान में जड़ी बूटियों से सभी बीमारियों की चिकित्सा की जाती है। यह हमारे लिए प्रकृति का अनमोल उपहार है। दैनिक जीवन में खान–पान हो या उपचार; हर जगह इनका अपना महत्व व गुण है। जड़ी–बूटियों की जानकारी प्रदान कराने के उद्देश्य से जड़ी–बूटी विज्ञ दक्षता बैज का पाठ्यक्रम तैयार किया गया है। विवरण निम्नानुसार है –

(1) औषधि के रूप में तथा भोजन बनाने के काम आने वाली 12–12 प्रकार की जड़ी–बूटियों को एक संग्रह–पुस्तिका में सुन्दर रूप में लगाए। इस संग्रह में उनकी पत्तियाँ, जड़ें और छाल होनी चाहिए। इनके मिलने के स्थान, इनको तुरन्त पहचानने की दक्षता हो एवं उनका ठीक–ठीक प्रयोग करने की जानकारी हो।

(2) आधा दर्जन जड़ी–बूटियों के औषधि–महत्व का जाने।

(3) जड़ी–बूटियों के संग्रह–भण्डार को तैयार करें और उसको तीन माह तक व्यवस्थित रखें।

गतिविधि पञ्चांग

राज्य पञ्चांग

PROPOSED

नाम शिविर/गतिविधि	स्थान	तिथियां
राज्य स्तरीय डेज़र्ट ट्रेकिंग शिविर	जैसलमेर	17 से 21.12.2024
राज्य स्तरीय 64वां रोवर मूट एवं 50वीं रेंजर मीट	पुष्करघाटी, अजमेर	26 से 30.12.2024
स्टेट एडवेंचर प्रोग्राम	आबू पर्वत न. 1	21 से 25.12.24 तक
नेशनल ग्रीन कोर गतिविधियां	ग्रुप/स्थानीय संघ/जिला स्तर	प्रति माह
स्वच्छ भारत मिशन पर कार्य	जिला स्तर	प्रति माह
MOP पर कार्य (प्रोजेक्ट कार्य संख्या 5)	जिला स्तर	प्रति माह
नो बैग डे के अन्तर्गत स्काउटिंग/गाइडिंग गतिविधियों का संचालन	ग्रुप स्तर पर	प्रति शनिवार
डी.एल.एड/बी.एड बेसिक कोर्स/ग्रुप शिविर/बिगिनर्स कोर्स	जिला स्तर पर	प्रति माह
युवा दिवस	स्थानीय संघ /जिला स्तर पर	12.01.2025 को
प्री ए.एल.टी कोर्स (स्काउट विभाग)	बीकानेर	16 से 22.01.2025
प्री ए.एल.टी कोर्स (गाइड विभाग)	बीकानेर	16 से 22.01.2025
जिला स्तरीय प्रतियोगिता रैलियां (द्वितीय चरण)	जिला स्तर पर	16 से 20.01.2025

राष्ट्रीय पञ्चांग

PROPOSED

Name of Camp/Activity	Date	Place
Diamond Jubilee Jamboree	28 Jan. - 03 Feb. 2025	Trichy, Tamilnadu
26th International Adventure Programme	02 - 08 February 2025	NTC, Pachmarhi

अन्तर्राष्ट्रीय पञ्चांग

PROPOSED

Name of Camp/Activity	Date	Place
International Rover Week, Winter 2025	28 Dec. 2024 - 04 Jan. 2025	Kandersteg, Switzerland
26th Australian Jamboree (AJ2025)	06 - 15 January 2025	Maryborough in Queensland
16th World Scout Moot 2025	25 July - 03 August, 2025	Lisboa, Portugal
28th Asia-Pacific Regional Scout Conference	12 - 17 October, 2025	Kaohsiung, Taiwan

National Headquarters website : www.bsgindia.org

चित्र-विथिका

झुंझुनूं, विधानसभा उपचुनाव मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत स्काउट्स गाइड्स ने किया दीप दान

खींवसर, नागौर

मतदान में सेवा-कार्य

दौसा

डूंगरपुर

झुंझुनूं

सलूंबर

देवली उनियारा टोंक

विधानसभा उपचुनावों में वृद्धजन एवं दिव्यांग मतदाताओं को सुगम मतदान में सहयोग करते हमारे नौनिहाल स्काउट्स गाइड्स, इनके द्वारा वृद्धजन एवं दिव्यांग मतदाताओं को मतदान केंद्रों पर मतदान कक्ष के बाहर तक लाने व ले जाने में सेवाएं प्रदान की गयी

बारां जिले की जिला स्तरीय स्काउट गाइड प्रतियोगिता रैली में आगमन पर राज्य मुख्य आयुक्त श्री निरंजन आर्य का माला पहनाकर स्वागत करते हुए कोटा मण्डल के स्काउट अधिकारी एवं स्काउट गाइड

प्रकाशक व मुद्रक : डॉ. पी.सी. जैन, राज्य सचिव, राजस्थान राज्य भारत स्काउट्स व गाइड्स, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर
फोन नं. 0141-2706830 द्वारा मैसर्स हरिहर प्रिण्टर्स, जे-97, अशोक चौक, आदर्श नगर, जयपुर-302004 फोन : 0141-2600850 से मुद्रित।

हिन्दी मासिक एक प्रति रूपये पन्द्रह
प्रकाशन - प्रत्येक माह
पंजीकृत समाचार पत्रों की श्रेणी के अन्तर्गत
आर.एन.आई. नम्बर : RAJ BIL/2000/01835

प्रेषक :-
राजस्थान राज्य भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, बजाज नगर, जयपुर-302015
फोन : 0141-2706830, 2941098
ई-मेल : scoutguidejyoti@gmail.com